Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 149
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-रविवार,28 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 वैश्विक व्यापार के महाकुंभ में दीदियों के उत्पादों के | 4 टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई | 5 सैफ अली खान ने किए करियर की शुरूआत के

देश में बीएसएनएच का 4जी नेटवर्क लॉन्च ,सीएम ने लाइव टेलीकास्ट देखा

बोले, हम टेक्नोलॉजी में दुनिया को लीड कर रहे

लखनऊ (संवाददाता)। पीएम मोदी ने आज ओडिशा के झारसुगुड़ा से देश का पहला पूरी तरह से स्वदेशी 4ळ नेटवर्क लॉन्च कर दिया। इस महाआयोजन का लाइव टेलीकास्ट लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजरपी) में भी किया गया। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ऐतिहासिक मौके पर मौजूद रहे। सीएम योगी ने कहा बीएसएनएच की इस पहल से यूपी को विशेष सौगात मिली है। प्रदेश के ऐसे 240 गांवों को पहली बार हाई-स्पीड नेटवर्क मिलेगा जो अब तक कनेक्टिविटी से दूर थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे देश में 97,500 मोबाइल टावर और 443 स्वदेशी टॉवरों का उद्घाटन किया। यूपी के सीमावर्ती और पिछड़े क्षेत्रों तक भी डिजिटल सेवाएं पहुंचाई जाएंगी, जहां अब तक या तो फोन कनेक्टिविटी बिल्कुल नहीं थी या फिर लोग केवल 2जी नेटवर्क तक ही सीमित थे। बीएसएनएच के सीजीएम एके गर्ग ने कहा पीएम मोदी ने ओडिशा से 57500 4जी टावर का उद्घाटन किया। यूपी में बीएसएनएच 6659 साइट पर 4जी मोबाइल सेवा शुरू कर रही है। डेटा कंजम्पशन तेजी से बढ़ रहा है। सोनभद्र जैसे जिलों में जहां उग्रवादियों का पहले प्रभाव रहा है, वहां भी 4जी सेवा मिलनी शुरू होगी। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा भारत आज ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर रहा है। कोविड के सामने हमने पहली स्वदेशी वैक्सीन बनाई। यूपीआई के भी हम दुनिया मे सबसे आगे। हमारा स्वदेशी चंद्रयान भी अद्भुत है। 4जी सेवा का लॉन्च केवल तकनीकी सफलता नहीं, ये दुनिया के महज 5 देशों की उस श्रेणी में शामिल कर रहा है जो खुद का 4जी नेटवर्क बनाने में सफल रहा है। उस समय केवल 4 देश, चीन, फिनलैंड, स्वीडन और दक्षिण कोरिया के पास भी 4जी के मैनुफैक्चरिंग इक्विपमेंट थे। महज 2 साल में बीएसएनएच ने ये स्वदेशी नेटवर्क डेवलप किया है। अमेरिका, जर्मनी और फ्रांस जैसे देश जो न कर सके वो हमने रिकॉर्ड समय मे कर दिखाया है। और इस नेटवर्क को 5जी में कन्वर्ट करने की क्षमता भी होगी। सीएम योगी ने कहा किसी भी देश को खुद की सेना, अच्छी विदेश नीति, स्वयं की तकनीकी, और भ्रष्टाचार पर वार की क्षमता बेहद जरूरी है। भारत की सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली और समर्थवान सेना है। भारत दुनिया के किसी भी देश से डरेगा नही और झुकेगा नहीं। ऐसे ही खुद के नेटवर्क के जरिए बेहद सेफ है। आज भारत दुनिया मे तकनीकी का पिछलग्गू नहीं, बल्कि लीडर बनकर उभरा है। आज भारत डिजिटल पेमेंट के जरिये दुनिया में लीड कर रहा है। मुझे याद है 2017 में जब मुख्यमंत्री का दायित्व मिला तब भारत नेट के जरिये काम हो रहे थे।

मुख्यमंत्री धामी ने किया मां माया देवी मंदिर में छड़ी यात्रा का शुभारंभ

कंधे पर उठाकर की परिक्रमा

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार के मां माया देवी मंदिर से परंपरागत छड़ी यात्रा का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूजन-अर्चना और परिक्रमा के साथ किया। यज्ञ में आहुति देकर छड़ी का पूजन कर उन्होंने इसे कंधे पर उठाया। धर्मनगरी हरिद्वार में परंपरागत छड़ी यात्रा का शुभारंभ शुक्रवार को अधिष्ठात्री देवी मां माया देवी मंदिर से विधिवत पूजन-अर्चना के साथ हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मां भगवती का पूजन कर यज्ञ में आहुति दी और परंपरा के अनुसार छड़ी का पूजन करने के बाद उसे अपने कंधे पर उठाकर मां माया देवी मंदिर की परिक्रमा की। इसी के साथ छड़ी यात्रा की शुरूआत हुई। इस मौके पर निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी महाराज, महामंत्री हरी गिरी के साथ सभी अखाड़ों के संत बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

माउंट आबू में राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन 2025 का शुभारंभ

आबूरोड (राजस्थान) (एजेंसी)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया विंग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने शुभारंभ किया। इसमें देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, रेडियो और वेब मीडिया से जुड़े 1500 से अधिक पत्रकार, संपादक और संवाददाता भाग ले रहे हैं। चार दिन तक चलने वाले इस महासम्मेलन में शांति, एकता और विश्वास विषय पर विमर्श किया जाएगा। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि समाज में शांति, एकता और विश्वास को बढ़ावा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया लोकतंत्र की जड़ों को सींचकर सदा हरा रखने का कार्य करता है। भारत के लोगों के रक्त में ही लोकतंत्र है। चन्द्रगुप्त के राज्य में पाटलिपुत्र में नगर पंचायत में 30 सदस्य चुनकर आते थे। मैंने इसके बारे में पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी की किताब भारत एक खोज में पढ़ा। लोकतंत्र में जो चुनकर आते हैं, जाति के आधार पर नहीं, विचार और देशहित के आधार पर चुनाव लड़े तो लोकतंत्र और मजबूत होगा। मीडिया को इस पर फोकस करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज एक आध्यात्मिक विश्वविद्यालय है। प्राचीन भारतीय संस्कृति ज्ञान का प्रचार-प्रसार करता रहा है। ब्रह्माकुमारीज संस्था महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। संस्था नशामुक्ति, पर्यावरण जागरण, अंधविश्वास दूर करने का भी काम कर रही है। ब्रह्माकुमारीज संस्कृति बचाने का कार्य कर रही है।

शराब पीकर झगडे.के बाद बडे.भाई ने छोटे भाई की हत्या की

बिजनौर (एजेंसी)। बिजनौर जिले के पहाड़ी दरवाजा मोहल्ले में शराब पीकर झगडे.के बाद बडे.भाई ने छोटे भाई की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर अभय कुमार पांडे ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात रवि सैनी और उसके छोटे भाई मोनू (26) में शराब पीने के बाद झगडा.हो गया तथा गुस्से में आकर रवि ने मोनू का गला घोंटकर मार डाला। पांडे के अनुसार बाद में घर वाले मोनू को अस्पताल लेकर गये जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी बडे.भाई को गिरफ्तार कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत के इस राज्य में मिला टनों-टन सोना, खबर ने मचाया बवाल

मध्य प्रदेश (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के कटनी जिले की मिट्टी अब केवल चूना, पत्थर और मार्बल के लिए नहीं बल्कि सोने के चमक के लिए पहचानी जाएगी।स्लीमनाबाद तहसील के ग्राम इमलिया की जमीन के नीचे छिपे टनों टन सोने को निकालने का रास्ता अब आधिकारिक रूप से खुल गया है। कटनी अब कनकपुरी बनने की राह पर आगे बढ़ चुकी है। दरअसल, नवरात्र के पहले ही दिन कलेक्टर आशीष तिवारी और मुंबई की प्रोस्पेक्टर रिसोर्स मिनिरल्स प्राइवेट कंपनी के डायरेक्टर अविनाश के बीच गोल्ड ब्लॉक की 50 साल की माइनिंग \ हजार 59 टन खनन योग्य है। हर साल 3 हजार 214 टन उत्पादन का अनुमान है। कटनी जिले के स्लीमनाबाद के इमलिया गोल्ड माइंस से उत्खनन कार्य शुरू होने के बाद यहां बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बनेंगे। सरकार को भी राजस्व से खासी आय प्राप्ति होगी। इससे जिले और समूचे क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। अभी तक केवल कर्नाटक से ही गोल्ड की माइनिंग हो रही थी।

दक्षिण अमेरिकी देशों के दौरे पर निकले राहुल, चार देशों के नेताओं और छात्रों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शनिवार को चार दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा पर रवाना हो गए। इस

दौरान वे राजनीतिक लोगों, छात्रों और कारोबारियों से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस की मीडिया और प्रचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि राहुल गांधी कितने दिन देश से बाहर रहेंगे। 10 दिन की हो सकती है यह यात्रा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। वे चार देशों में राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और कारोबारी जगत से जुड़े लोगों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के अनुसार राहुल गांधी ब्राजील और कोलंबिया जाएंगे, जहां वे विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल की यह यात्रा 10 दिन की है। इस दौरान वह पेरू, चिली, ब्राजील और कोलंबिया जाएंगे। कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी ब्राजील, कोलंबिया और अन्य जगहों का दौरा करेंगे, जहां उनके विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करने की उम्मीद है। पार्टी ने कहा कि वह कई देशों के राष्ट्रपतियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें करेंगे और लोकतांत्रिक एवं रणनीतिक संबंधों को मजबूत करेंगे। पार्टी ने यह भी कहा कि अमेरिकी शुल्क के मद्देनजर भारतीय व्यापार और साझेदारी में विविधता लाने के अपने प्रयासों के तहत, राहुल गांधी व्यापार जगत के प्रमुख लोगों के साथ मिलकर अवसरों की तलाश करेंगे। वह ब्राजील, कोलंबिया और अन्य जगहों के विश्वविद्यालयों के छात्रों से बातचीत करेंगे और वैश्विक नेताओं की अगली पीढ़ी के साथ संवाद स्थापित करेंगे। कांग्रेस ने कहा कि यह महत्वपूर्ण यात्रा ऐतिहासिक महत्व रखती है। कांग्रेस ने कहा कि भारत और दक्षिण अमेरिका ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन, ग्लोबल साउथ में एकजुटता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से लंबे समय से अपने संबंध साझा किए हैं। मुख्य विपक्षी दल के अनुसार, राहुल गांधी का यह अभियान इस परंपरा को जारी रखते हुए व्यापार, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग के नए रास्ते खोल रहा है।

ओडिशा को पीएम ने दी करोड़ों की सौगात

झारसुगुड़ा में कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन

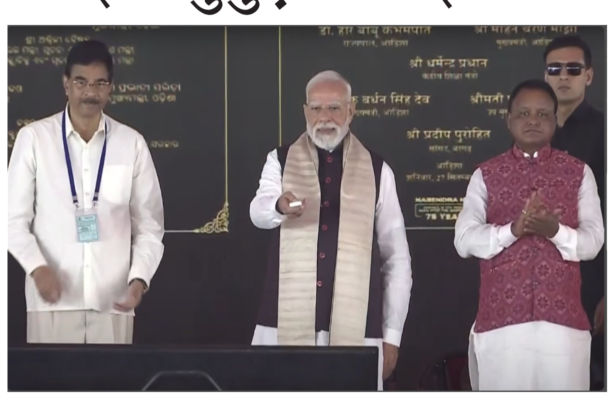

भुवनेश्वर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ओडिशा के दौरे पर हैं, इस कड़ी में वे राज्य के झारसुगुड़ा जिले में पहुंचे हैं। जहां पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री मोहन चरण माजी ने उनका मंच पर स्वागत किया है। पीएम मोदी ने यहां 60 हजार करोड़ रुपये की तमाम परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ओडिशा के झारसुगुड़ा पहुंचे हैं। जहां उन्होंने कई क्षेत्रों में 60,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। इनमें दूरसंचार, रेलवे, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और ग्रामीण आवास जैसे कई क्षेत्रों की परियोजनाएं शामिल हैं। 97500 से अधिक मोबाइल 4जी टॉवर्स का उद्घाटन देश के संचार तंत्र को मजबूत करने के लिए, प्रधानमंत्री ने 97500 से अधिक मोबाइल 4जी टॉवर्स का उद्घाटन किया। इन टॉवर्स का निर्माण लगभग 37000 करोड़ रुपये की लागत से स्वदेशी तकनीक के साथ किया गया है। इसके जरिए दूरदराज, सीमावर्ती और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 26,700 से अधिक गांवों में कनेक्टिविटी पहुंचाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने आठ आईआईटी के विस्तार के लिए शिलान्यास भी किया, जिससे आने वाले चार वर्षों में 10000 नए छात्रों के लिए क्षमता तैयार होगी। साथ ही, उन्होंने तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को मजबूत करने के लिए ओडिशा सरकार की कई पहलों की शुरूआत भी की। पीएम ने अमृत भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी ओडिशा झारसुगुड़ा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रह्मपुर और उधना (सूरत) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जो राज्यों में किफायती और आरामदायक संपर्क प्रदान करेगी, पर्यटन को बढ़ावा देगी, रोजगार के अवसर पैदा करेगी और प्रमुख आर्थिक जिलों को जोड़ेगी। राज्यपाल और सीएम ने किया पीएम मोदी का सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झारसुगुड़ा में राज्यपाल डॉ. हरिबाबू कंभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सम्मानित किया। ओडिशा दौरे को लेकर पीएम मोदी का ट्वीट वहीं अपने इस दौरे से पहले पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन करने के लिए ओडिशा के झारसुगुड़ा में रहूंगा।

2020 की कसर इस बार पूरी करनी है, घुसपैठियों को बिहार से करेंगे बाहर:शाह

बिहार (एजेंसी)। अमित शाह ने बिहार में 2020 की कसर पूरी करने का आह्वान करते हुए, ठऊअ को दो-तिहाई बहुमत दिलाने पर बिहार से घुसपैठियों को बाहर निकालने और कोसी क्षेत्र को बाढ़ मुक्त करने का वादा किया। उन्होंने लालू-कांग्रेस पर भ्रष्टाचार और घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए, भाजपा के लिए इसे बिहार के विकास और जंगलराज की वापसी रोकने का चुनाव बताया। शाह ने राहुल गांधी के घुसपैठियों के मताधिकार वाले बयान पर कड़ा पलटवार करते हुए भाजपा का संकल्प दोहराया कि वह एक-एक घुसपैठिए को बिहार से बाहर करेगी और स्वदेशी अपनाने की अपील की। बिहार चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। इसी बीच गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के अररिया में सहरसा, पूर्णिया और भागलपुर मंडल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को हार्दिक साधुवाद देता हूं, क्योंकि 2020 के विधानसभा चुनाव में किशनगंज को छोड़कर हर जिले में

हमारा गठबंधन नंबर एक पर रहा। नौगछिया, भागलपुर और बांका में हम नंबर एक पर रहे। अररिया, पूर्णिया और कटिहार में भी हम नंबर एक पर रहे। सुपौल, सहरसा और मधेपुरा में भी हम नंबर एक पर रहे। शाह ने कहा कि अगर आप एक बार ठऊअ को दो-तिहाई बहुमत से जीत दिला दें, तो मैं आपको वादा करता हूँ कि बिहार की धरती से घुसपैठियों को बाहर निकालने का काम हम करेंगे। हमारे लिए यह चुनाव कोसी क्षेत्र को हमेशा के लिए बाढ़ मुक्त करने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि हम सबको यह तय करना है कि इस बार दीपावली में जो कुछ भी खरीदा जाएगा, वह पूरी तरह स्वदेशी होगा।

संघ की प्रार्थना मातृभूमि के प्रति समर्पण का सामूहिक संकल्प है :मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संगठन की 'प्रार्थना' भारत माता की प्रार्थना और देश एवं ईश्वर के प्रति संघ के स्वयंसेवकों का सामूहिक संकल्प है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संगठन की 'प्रार्थना' देश और ईश्वर के प्रति स्वयंसेवकों का सामूहिक संकल्प है। मोहन भागवत ने यह बात संघ की प्रार्थना का ऑडियो जारी करने के मौके पर कही। नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में मोहन भागवत ने संघ की

प्रार्थना का ऑडियो जारी किया। प्रार्थना को गायक शंकर महादेवन ने गाया है। हिंदी में इसकी व्याख्या हरीश भिमानी और मराठी में अभिनेता सचिन खेड़ेकर ने की है। इस मौके पर भागवत ने कहा, यह भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। यह प्रार्थना इस बात की है कि हम देश को क्या दे सकते हैं और फिर ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि हमें देश की सेवा करने में मदद करें। उन्होंने कहा कि ऑडियो के माध्यम से यह प्रार्थना अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगी। भागवत ने कहा कि यह प्रार्थना एक ऐसी भावना है, जो स्वयंसेवकों को भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण के सामूहिक संकल्प में सहारा देती है।

सीएम सैनी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

500 लेकर खोला जाता था किसानों का खाता, दो रुपये मिलता था मुआवजा: सैनी

करनाल (एजेंसी)। कांग्रेस नेता व पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बयान पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने करनाल में पलटवार किया है। उन्होंने कहा जब कांग्रेस सत्ता में थी तो किसानों को नुकासन पर कुछ नहीं मिलता था। भाजपा सरकार ने किसानों के नुकसान को लेकर ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला है। किसानों को जो भी नुकसान हुआ है उसकी भरपाई करना सरकारी की जिम्मेदारी है लेकिन कांग्रेस के समय में किसानों के नुकसान की भरपाई नहीं होती

थी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सीएम सैनी ने कहा कांग्रेस शासन में किसानों से खाता खुलवाने का 500 रुपये लिया जाता था और सरकार किसानों के खाते में क्षतिपूर्ती के नाम पर महज दो रुपये डालती थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद किसानों के खातों में हजारों रुपये जमा किए जा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत करनाल के लघु सचिवालय के सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हिस्सा लिया।

पाकिस्तान को उसी की भाषा में देना चाहिए जवाब, पीएम मोदी के पुराने इंटरव्यू का जिक्र कर उद्धव ने साधा निशाना

महाराष्ट्र (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट

स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप का फाइनल खेलेगी, ऐसे में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे समेत कुछ लोगों ने मैच के बहिष्कार का आह्वान किया है। शनिवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, शिवसेना-यूबीटी प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पुराने इंटरव्यू का हवाला देते हुए मैच के बहिष्कार का आह्वान किया। ठाकरे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान को उसकी समझ में आने वाली भाषा में सबक सिखाया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देने के लिए केंद्र सरकार पर तंज कसा। ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है... नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले, रजत शर्मा को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान को उसकी समझ में आने वाली भाषा में सबक सिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था, 'पाकिस्तान हम पर हमला करता है, लेकिन हम अमेरिका जाकर उसकी शिकायत करते हैं। भारत ने एशिया कप में पहली बार 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था, जहाँ भारतीय टीम ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी को सात विकेट से हराया था। इसके बाद, दोनों टीमें 21 सितंबर को सुपर फोर चरण में फिर से भिड़ीं और भारतीय टीम ने एक बार फिर पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया। अब दोनों टीमें रविवार को दुबई में एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने होंगी। हालाँकि भारत एशिया कप में अब तक दो बार पाकिस्तान से खेल चुका है, विपक्षी दल लगातार सरकार पर भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देकर 'दोहरे मापदंड' अपनाने का आरोप लगाते रहे हैं।

सुविधाजनक रेल यात्रा का किफायती विकल्प : अमृत भारत एक्सप्रेस

गोरखपुर : देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितम्बर,2025 को उड़ीसा में आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर बरहमपुरझउधना अमृत भारत एक्सप्रेस को रवाना किया। यह देश की 12वीं अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। इनमें से 10 अमृत भारत ट्रेनों का परिचालन बिहार से किया जा रहा है। बिहार से तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन शीघ्र प्रारंभ किए जाने की भारतीय रेल की योजना है । इस तरह इस माह के अंत तक अमृत भारत ट्रेनों की संख्या बढ़कर 15 हो जाएगी जिसका विवरण इस प्रकार है :-

1. दरभंगा-आनन्द विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस
2. सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस
3. राजेन्द्रनगर टर्मिनल-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
4. बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस
5. दरभंगा-गोमतीनगर अमृत भारत एक?सप्रेस
6. मालदा टाउन-गोमतीनगर अमृत भारत एक?सप्रेस
7. सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
8. गया-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
9. जोगबनी-ईरोड-जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस
10. सहरसा-छैहरटा (अमृतसर)-सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस
11. मालदा टाउन-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस
12. ब्रह्मपुर-उधना (सूरत) अमृत भारत एक्सप्रेस
13. मुजफ़्फ़रपुर-चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस (परिचालन शीघ्र प्रारंभ होगा)
14. छपरा- दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस (परिचालन शीघ्र प्रारंभ होगा)
15. दरभंगा-मदार (अजमेर) अमृत भारत एक्सप्रेस (परिचालन शीघ्र प्रारंभ होगा)

अमृत भारत एक्सप्रेस ने यात्रियों एवं विशेषकर मध्यम वर्ग का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है। वस्तुतः अमृत भारत एक्सप्रेस अमृत काल की एक विशेष सौगात है, जिसके माध्यम से आम लोगों को प्रति हजार किलोमीटर 500 से कम किराए में ही

गैर वातानुकूलित श्रेणी में विश्व स्तरीय यात्रा सुविधा प्रदान की जा रही हैं। भारतीय रेल के यात्रियों के लिए यह एक शानदार एवं विशिष्ट सुविधा है।

अमृत भारत एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। इस ट्रेन का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी डिजाइन और सुविधाएं हैं। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। इसकी पहचान तीन पहलुओं में निहित है झ यात्रियों हेतु उन्नत यात्रा सुविधा, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण के प्रति सजगता। यही कारण है कि यह ट्रेन देश के बदलते स्वरूप की झलक पेश करती है।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि वंदे भारत और नमो भारत के बाद एक और आधुनिक ट्रेन देश को मिली है। इस नई ट्रेन का नाम अमृत भारत ट्रेन रखा गया है। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनों की यह त्रिशक्ति भारतीय रेल का कायाकल्प करने जा रही है, जो अब चरितार्थ हो रही है।

तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से युक्त इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब और ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत ब्रेक लग सके। सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से लैस हैं। पहली बार नॉन-एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा दी गई है, जो यात्रियों की सुरक्षा में क्रांतिकारी कदम है। इसके अलावा टॉकबैक यूनिट और गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट सुरक्षा को और मजबूत बनाते हैं।

यात्रा के दौरान आराम का विशेष ख्याल रखा गया है। ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है, जिससे कोच जोड़ते या अलग करते समय झटका या शोर नहीं होता। डिफॉर्मेशन ट्यूब दुर्घटना की स्थिति में झटका कम कर देती है। पुशझपुल तकनीक इसकी रफ्तार बढ़ाने में मदद करती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कोचों में कई आधुनिक फीचर जोड़े गए हैं। इसमें फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, बॉटल होल्डर, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, आरामदायक सीटें और बेहतर बर्थ सम्मिलित हैं। हर शौचालय में इलेक्ट्रोझ न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर और फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इस ट्रेन में दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, हर यात्री के लिए फास्ट चार्जिंग पोर्ट और पेन्ट्री कार जैसी सुविधाएं यात्रा को और सुखद बनाती हैं। अमृत भारत एक्सप्रेस उस सोच की परिचायक है, जो दर्शाती है कि अब देश की संरक्षित रेल यात्रा आधुनिक सुविधाओं और किफायती दरों के साथ एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है।

गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण परियोजना की कमीशनिंग के परिप्रेक्ष्य में नॉन-इंटरलॉक कार्य पूरा होने के कारण पूर्व में निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित गाड़ी के संचलन को बहाल कर दिया गया है। ये गाड़ी पूर्ववत चलाई जायेगी

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु मूलभूत ढ़ाँचे में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ तीसरी लाइन तथा गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण परियोजना की कमीशनिंग के परिप्रेक्ष्य में नॉन-इंटरलॉक कार्य पूरा होने के कारण पूर्व में निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित गाड़ी के संचलन को बहाल कर दिया गया है। ये गाड़ी पूर्ववत चलाई जायेगी।

संचलन बहाल-

-पूर्व में 30 सितम्बर, 2025 को निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित 55092 सीतापुर सिटी-गोंडा सवारी गाड़ी के संचलन को बहाल कर दिया गया है।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05115/05116 छपरा-उधना-छपरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी के रेक संरचना में निम्नवत परिवर्तन किया गया है। रेक संरचना में परिवर्तन के फलस्वरूप छपरा से 03 अक्टूबर, 2025 से तथा उधना से 05 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 05115/05116 छपरा-उधना-छपरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 04 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन (AISMNF) ने पत्रकारों की समस्याओं को हल करने की मांग की पीएम मोदी से

नई दिल्ली/लखनऊ। पत्रकार हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारियाँ निभाते हैं किंतु उनके लिए बुनियादी सुविधाएँ जैसे स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, पेंशन और

रा0 अध्यक्ष गुरिंदर सिंह रा0 महासचिव अशोक नवरत्न उ0 प्र0 अध्यक्ष सुहेब अहमद

सुरक्षा के उपाय आज भी अधूरे हैं। यदि सरकार वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करना चाहती है तो पत्रकारों की उचित माँगों को पूरा करना जरूरी है। पत्रकारों की विभिन्न मांगों एवं उचित सुविधाएँ व सुरक्षा दिलाने के उद्देश्य से आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन ;एआईएसएमएनएफद्ध के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरिंदर सिंह, राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार नवरत्न एवं उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सुहेब अहमद ने ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे गये एक पत्र में अवगत कराया है कि भारतीय लोकतंत्र में पत्रकारिता को चैथे स्तंभ की संज्ञा दी गई है। जनता की आवाज को सरकार तक पहुँचाने वाले पत्रकार स्वयं असुरक्षित और उपेक्षित जीवन जीने को मजबूर हैं। फेडरेशन ने भेजे गये पत्र में अनुरोध किया है कि रेलवे यात्रा में पत्रकारों के लिए छूट की सुविधा को तत्काल बहाल किया जाए । ताकि वे देश भर में समाचार कवरेज के लिए निर्बाध यात्रा कर सकें । पत्रकारों व उनके परिवारी जनों के लिए निजी व सरकारी अस्पतालों में मुत इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाए । पत्रकार अपने कार्य में अक्सर जोखिम उठाते हैं । देश के छोटे और मझौले समाचार पत्र आज आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं । सरकार इन्हें नियमित विज्ञापन दे तो ये न केवल मजबूत होंगे बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करेंगे 4. 60 वर्ष से अधिक आयु के पत्रकारों को प्रतिमाह 20 हजार रुपये की पेंशन दी जाए, ताकि वृ(ावस्था में उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने में सुविधा हो सके । पत्रकारों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया अकादमी की स्थापना की जाए इससे नई पीढ़ी के पत्रकार अधिक योग्य बन सकेंगे। महानगरों में कार्यरत मान्यता प्राप्त पत्रकारों को निशुल्क मेट्रो सुविधा प्रदान की जाए जिससे उनका आवागमन सरल और सुरक्षित हो सके। पत्रकारों को 10 लाख रुपए की राशि का बीमा कवर भी दिया जाना चाहिए । फेडरेशन ने प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में यह भी अनुरोध किया है कि छोटे और मझौले अखबारों को अखबारी कागज खरीदने पर जीएसटी समाप्त की जानी चाहिए। छोटे और मझौले अखबारों के विकास के लिए समाचार पत्र विकास निगम की स्थापना की जानी चाहिए जिससे यह समाचार पत्र आधुनिक मशीन क्रय कर सके। पत्रकारों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। पत्रकारों को रियायती दरों पर आवासीय सुविधा भी प्रदान की जानी चाहिए। इसके राष्ट्रीय स्तर पर सहकारी समिति का गठन किया जाना चाहिए।

रेलवे विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध : रवनीत सिंह

लुधियानाः रेल राज्य मंत्री एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह ने आज लुधियाना में नव-निर्मित रेलवे स्वास्थ्य सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। लगभग ?7.5 करोड़ की लागत से बने इस अत्याधुनिक केंद्र का निर्माण 1,800 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में किया गया है। यह केंद्र रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करेगा। जी+1 संरचना में 06 ओपीडी, 4-बेड वाला वार्ड, आपातकालीन सुविधाएँ (जिसमें स्टेरिलाइजेशन एवं ड्रेसिंग रूम शामिल हैं), फार्मेसी और लोकल परचेज, यात्री व स्ट्रेचर लिफ्ट, 3 स्थानों पर प्रतीक्षालय सुविधाएँ (स्टेनलेस स्टील बेंच के

साथ), कॉन्फ्रेंस रूम, पुरुष/महिला एवं स्टाफ के लिए अलग शौचालय, वीआरवी एयर कंडीशनिंग सिस्टम, सुसज्जित डबल हाइट लॉबी, दोपहिया/चारपहिया एवं एम्बुलेंस पार्किंग की सुविधा, अस्पताल के बाहर विकसित हरे क्षेत्र, पीएमई डार्क रूम सुविधा, एक्स-रे कक्ष (डार्क रूम सहित), प्रयोगशाला एवं मेडिकल रिकॉर्ड रूम शामिल हैं। फि रोजपुर मंडल की स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी देते हुए श्री रवनीत सिंह ने कहा कि वर्तमान में फि रोजपुर मंडल में एक डिविजनल अस्पताल (फि रोजपुर), एक उप-मंडलीय अस्पताल (अमृतसर) तथा 6 स्वास्थ्य इकाइयाँ हैं, जिनमें कुल 34 डॉक्टर कार्यरत हैं। फि रोजपुर डिविजनल अस्पताल में कुल 69 बेड हैं, जहाँ मेडिसिन, जनरल सर्जरी, स्त्री रोग, अस्थि रोग, पैथोलॉजी, एनेस्थीसिया एवं डेंटल जैसी विभिन्न विशेषताओं में चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध हैं। अस्पताल में अत्याधुनिक प्रयोगशाला, फिजियोथेरेपी यूनिट, कंप्यूटरीकृत रेडियोग्राफिक सिस्टम और मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर की सुविधाएँ मौजूद हैं। अमृतसर में 50-बेड का अस्पताल संचालित है, साथ ही लुधियाना, जालंधर सिटी, जालंधर छावनी और कपूरथला में स्वास्थ्य इकाइयाँ कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, रेलवे लाभार्थियों को आपातकालीन देखभाल प्रदान करने हेतु 51 निजी अस्पतालों और 16 डायग्नोस्टिक केंद्रों को पैनल में शामिल किया गया है। इस अवसर पर श्री संजीव कुमार (डीआरएम फि रोजपुर), श्री अजय वर्श्नेय (सीपीएम कंस्ट्रक्शन), डॉ. चेतना कपूर (एसीएमएस लुधियाना), श्री ऋषि पांडे (वरिष्ठ डीएससी आरपीएफ फि रोजपुर), श्री परमदीप सैनी (वरिष्ठ डीसीएम फि रोजपुर), श्री सुमित खुराना (वरिष्ठ डीईएन कोऑर्डिनेशन फि रोजपुर), श्री शुभम खुराना (उप मुख्य अभियंता कंस्ट्रक्शन), श्री अज्यपाल (वरिष्ठ डीईएन-कफि रोजपुर) एवं श्री आदित्य मेहरा (स्टेशन डायरेक्टर लुधियाना) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सुविधाजनक रेल यात्रा का किफायती विकल्पः अमृत भारत एक्सप्रेस

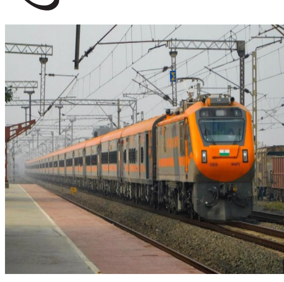

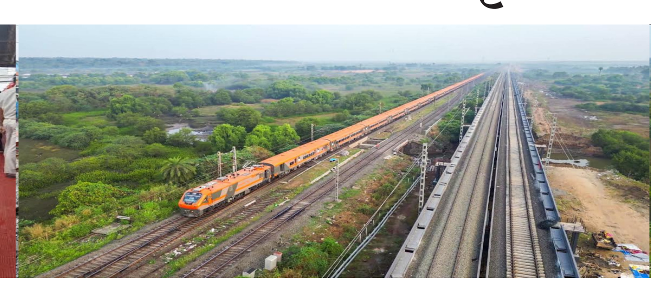

गोरखपुर,: देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितम्बर, 2025 को उड़ीसा में आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर बरहमपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस को रवाना किया। यह देश की 12वीं अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। इनमें से 10 अमृत भारत ट्रेनों का परिचालन बिहार से किया जा रहा है। बिहार से तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन शीघ्र प्रारम्भ किये जाने की भारतीय रेल की योजना है। इस तरह इस माह के अंत तक अमृत भारत ट्रेनों की संख्या बढ़कर 15 हो जायेगी, जिसका विवरण इस प्रकार हैः-

1. दरभंगा-आनन्द विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस
2. सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस
3. राजेन्द्रनगर टर्मिनल-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
4. बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस
5. दरभंगा-गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस
6. मालदा टाउन-गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस
7. सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
8. गया-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
9. जोगबनी-ईरोड-जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस
10. सहरसा-छैहरटा (अमृतसर)-सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस
11. मालदा टाउन-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस
12. ब्रह्मपुर-उधना (सूरत) अमृत भारत एक्सप्रेस
13. मुजफ़्फ़रपुर-चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस (परिचालन शीघ्र प्रारम्भ होगा)
14. छपरा-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस (परिचालन शीघ्र प्रारम्भ होगा)
15. दरभंगा-मदार (अजमेर) अमृत भारत एक्सप्रेस (परिचालन शीघ्र प्रारम्भ होगा)

अमृत भारत एक्सप्रेस ने यात्रियों एवं मध्यम वर्ग का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है। वस्तुतः अमृत भारत एक्सप्रेस अमृत काल की एक विशेष सौगात है, जिसके माध्यम से आम लोगों को प्रति हजार किलोमीटर रू. 500 से कम किराये में ही गैर-वातानुकूलित श्रेणी में विश्व स्तरीय यात्रा सुविधा प्रदान की जा रही हैं। भारतीय रेल के यात्रियों के लिये यह एक शानदार एवं विशिष्ट सुविधा है। अमृत भारत एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। इस ट्रेन का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी डिजाइन और सुविधायें हैं। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। इसकी पहचान तीन पहलुओं में निहित है- यात्रियों हेतु उन्नत यात्रा सुविधा, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण के प्रति सजगता। यही कारण है कि यह ट्रेन देश के बदलते स्वरूप की झलक पेश करती है।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि वंदे भारत और नमो भारत के बाद एक और आधुनिक ट्रेन देश को मिली है। इस नई ट्रेन का नाम अमृत भारत ट्रेन रखा गया है। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनों की यह त्रिशक्ति भारतीय रेल का कायाकल्प करने जा रही है, जो अब चरितार्थ हो रही है। तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से युक्त इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब और ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम लगाये गये हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरन्त ब्रेक लग सके। सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से लैस हैं। पहली बार नॉन-एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा दी गई है, जो यात्रियों की सुरक्षा में क्रांतिकारी कदम है। इसके अलावा टॉकबैक यूनिट और गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट सुरक्षा को और मजबूत बनाते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर ब्रह्मपुर (ओडिशा) और उधना (गुजरात) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस का किया शुभारंभ

गोरखपुरः भारत के हीरा और कपड़ा केंद्र के रूप में विख्यात सूरत में यात्री और माल ढुलाई में तेजी से वृद्धि हो रही है। गुजरात की भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे व्यापक कदम उठा रहा है। इनमें सूरत एवं उधना में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और नई यात्री व मालगाड़ियां शुरू करना शामिल है। ओडिशा और गुजरात के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रह्मपुर (ओडिशा) और उधना (गुजरात) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह एक नई पीढ़ी की ट्रेन है, जिसे किफायती, सुरक्षित और लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है। अमृत भारत एक्सप्रेस की विशेषताएंः

बेहतर डिजाइन के साथ आधुनिक एर्गोनॉमिक सीटिंग

निर्बाध आवागमन के लिए पूरी तरह से कनेक्टेड कोच

बेहतर सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने वाला ट्विन-इंजन कॉनफि गरेशन

जिस तरह वंदे भारत एक्सप्रेस ने मध्यम वर्ग के लिए यात्रा की नई परिभाषा गढ़ी है, उसी तरह अमृत भारत एक्सप्रेस भी किफायती किराए पर ऐसी ही सुविधाएं प्रदान करेगी। आज शुरू की गई इस रेल सेवा का किराया 495रुपए (सामान्य श्रेणी) और 795रुपए (गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी) प्रति यात्रा होगा। यह ट्रेन 5 राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और ओडिशा) के 22 जिलों में 1700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी। इस नई कनेक्टिविटी से युवाओं सहित उद्यमियों एवं व्यवसायियों

को कपड़ा, हीरा व संबंधित क्षेत्रों में और अधिक अवसर मिलेंगे। इस ट्रेन से मां तारातारिणी शक्तिपीठ जाने वाले तीर्थयात्रियों को भी लाभ होगा। गुजरात में स्टेशन पुनर्विकास कार्य गुजरात के स्टेशनों का विकास अगले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए मास्टर डेवलपमेंट प्लान के तहत किया जा रहा है। भारतीय रेलवे उधना, सूरत, बिलिमोरा, सचिन आदि रेलवे स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास कर रहा है। केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज उधना स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि स्टेशन को आधुनिक तर्ज पर डिजाइन किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म और पिट लाइनों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है इससे पहले, केंद्रीय मंत्री ने निर्माण कार्य की समीक्षा के लिए सूरत हाई स्पीड रेल स्टेशन का भी दौरा किया। सूरत-बिलिमोरा के बीच काम तेजी से चल रहा है। स्टेशन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है और फि निशिंग व यूटिलिटी वर्क अभी चल रहा है। आज के निरीक्षण के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना में आधुनिक और नवीन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। पटरियों पर काम उल्लेखनीय गति से चल रहा है। सूरत स्टेशन पर पहला टर्नआउट सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। टर्नआउट रेलवे ट्रैक का महत्वपूर्ण जंक्शन होता है। यह सुविधा हाई-स्पीड ट्रेनों के संचालन में सुगमता लाएगी। उन्होंने बताया कि पटरियों में रोलर बेयरिंग भी लगे हैं, जिससे बुलेट ट्रेन अधिक सुरक्षित और सुगमता से तेज गति से चल सकेगी। इसके अतिरिक्त, पटरियों पर स्लीपर कंक्रीट की बजाय मिश्रित सामग्री से बनाए गए हैं। इससे उच्च स्थायित्व, कम रखरखाव और तेज गति पर बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित होगा। यात्री सुविधा को और बेहतर बनाने एवं वातावरण में शोर को कम करने के लिए डैम्पर्स के रूप में एक कंपन अवशोषण तंत्र शुरू किया गया है। ये डैम्पर्स शोर और झटके को अवशोषित करेंगे।

गोरखपुर कैंट स्टेशन का निरीक्षण करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर साथ में वरिष्ठ अधिकारी

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 27 सितम्बर, 2025 को गोरखपुर कैंट स्टेशन का गहन निरीक्षण कर यात्री सुख-सुविधाओं का जायजा लिया तथा गोरखपुर छावनी स्थित टी.एम.सी. कारखाना में ट्रैक मशीनों का गहन निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि, मुख्य इंजीनियर/टी.एम.सी. श्री संजय यादव, वरिष्ठ रेल अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने गोरखपुर कैंट स्टेशन के यू.टी.एस. एवं पी.आर.एस. काउंटर, स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुख-सुविधाओं तथा स्टेशन पर साफ-सफाई का गहन निरीक्षण कर उनमें आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित किया। महाप्रबन्धक ने दिव्यांगजन हेतु उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ाने, प्लेटफॉर्म पर मानक के अनुरूप साइनेज लगाने तथा प्लेटफॉर्मों, प्रसाधन एवं रेलवे ट्रैक की साफ-सफाई पर विशेष बल दिया। उन्होंने गोरखपुर कैंट स्टेशन के द्वितीय प्रवेश तथा रोड ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी.) के साइट प्लान का अवलोकन किया एवं विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। श्री बोरवणकर ने स्टेशन पर वाटर हार्वेस्टिंग एवं सोलर पैनल लगाने तथा फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) पर सुरक्षा जाली लगाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। इसके पश्चात महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने गोरखपुर छावनी स्थित टी.एम.सी. कारखाना में ट्रैक मशीनों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि ट्रैक मशीनों का अनुरक्षण उच्च प्राथमिकता पर किया जाना चाहिये, जिससे रेलवे ट्रैक के अनुरक्षण में किसी प्रकार की समस्या न हो। मशीनों में एक ही तरह की विफलता बार-बार न हो, इसका विशेष ध्यान देना चाहिये। महाप्रबन्धक ने ट्रैक मशीन बी.सी.एम.-362 के पार्ट में होने वाली विफलताओं का गहनता से अवलोकन किया तथा विफलता से बचाव हेतु आवश्यक सुझाव दिये। उन्होंने मशीनों के पार्ट्स को कोडल लाइफ के अनुसार उपयोग करने तथा अनुरक्षण कार्य कर रहे रेल कर्मचारियों को सुरक्षात्मक तरीके के कार्य करने हेतु आवश्यक सुझाव दिये। निरीक्षण के उपरान्त कारखाना परिसर में महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर तथा प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि ने पौधारोपण किया। इस दौरान मुख्य इंजीनियर/टी.एम.सी. श्री संजय यादव ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से गोरखपुर छावनी स्थित टी.एम.सी. कारखाना में विभिन्न प्रकार की ट्रैक मशीनों के कार्यों एवं उनके अनुरक्षण सम्बन्धित तकनीकी विषयों, संगठनात्मक चार्ट एवं अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से महाप्रबन्धक को अवगत कराया।

कर्ज लेने के तमाम विकल्पों के बावजूद लोगों का बैंकों पर भरोसा, फिनटेक को लेकर 52 फीसदी लोग चिंतित

आरबीआई ने तीन सकारात्मक भावनाओं पर सर्वे किया है। इसमें विश्वास, बेहतर परिणामों की प्रत्याशा और खुशी शामिल हैं। चार नकारात्मक भावनाओं पर भी यह सर्वे है। इसमें घृणा, उदासी, भय और क्रोध को शामिल किया गया है। कर्ज देने वाले वैकल्पिक साधनों के प्रति 13.68 फीसदी लोगों में गुस्सा है। मौजूदा समय में कर्ज लेने के तमाम विकल्पों के बावजूद लोगों का भरोसा बैंकों पर बना हुआ है। आरबीआई के सितंबर बुलेटिन में कहा गया है कि बैंकिंग टेक्नोलॉजी पर 53.31 फीसदी लोग भरोसा करते हैं। कर्ज देने वाले वैकल्पिक साधनों पर 43.50 फीसदी लोग ही भरोसा करते हैं। ?इन साधनों से 40.69 फीसदी लोग खुश हैं। बैंकिंग टेक्नोलॉजी के लिए यह स्तर 42 फीसदी से अधिक है। आरबीआई ने तीन सकारात्मक भावनाओं पर सर्वे किया है। इसमें विश्वास, बेहतर परिणामों की प्रत्याशा और खुशी शामिल हैं। चार नकारात्मक भावनाओं पर भी यह सर्वे है।

वैश्विक व्यापार के महाकुंभ में दीदियों के उत्पादों के व्यापार के मामले में मिल रही ग्लोबल पहचान: मौर्य

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेन्टर एवं मार्ट में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा भी प्रतिभाग किया जा रहा है। ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सभी 75 जनपदों में गठित समूहों के द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है इन समूह के द्वारा बनाए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं उसका विपणन ट्रेड शो में किया जा रहा है।आजीविका मिशन के स्टालों पर पर भारी भीड़ आ रही है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि ट्रेड शो में आने वाली समूह की दीदियों को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के विपणन हेतु एक बहुत अच्छा अवसर प्राप्त हुआ है एवं उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को एक अच्छा बाजार मिलने की संभावना बढ़ेगी।इससे दीदियों के उत्पादों के व्यापार व सम्भावनाओं के मामले में ग्लोबल पहचान मिल रही है। देश, दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के हुनर को प्रदर्शित किया जा रहा है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 एक्सपो मार्ट पहुंचे लोगों ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चल रही विभिन्न योजनाओं यथा समूह गठन की प्रक्रिया, टेक होम राशन, बीसी सखी, विद्युत सखी एवम बालिनी आदि के संबंध में उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की तथा मिशन से जुड़ने की इच्छा भी प्रकट किया, साथ ही साथ समूहों द्वारा उत्पादित उत्पाद यथा- मसाले, मुरब्बा, अचार, परिधान, जरी जरदोजी आदि का क्रय भी बड़ी मात्रा में किया गया। यूपी इण्टरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण मे एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा सभी 75 जनपदों के चयनित 75 स्वयं सहायता समूहो द्वारा उनके बनाये गए उत्पादों यथा जूट का सामान ,जरी साड़ी, ज्वेलरी, चिकन कारी- सारी, सूट, नमकीन, टेराकोटा का समान, चमड़े का सामान एवं बलिनी के उत्पाद का विक्रय एवं प्रदर्शन किया जा रहा है।मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि ट्रेड शो राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वय सहायता समूहों की महिलाओ हेतु एक बहुत बड़ा अवसर है जहां उनके द्वारा बनाए उत्पादों को विक्रय करने का सुअवसर मिला है और समूह की महिलाओ को अच्छा मुनाफा प्राप्त होगा।आज अपराह्न 3 बजे तक लगभग 6.25 लाख रुपए से अधिक के सामानो के विक्रय इन स्टालो के माध्यम किया जा चुका है जो कि प्रतिदिन बढ़ने के आसार हैं इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के अलग-अलग कोनों से आई महिलाएँ अपने हाथों से बने स्वादिष्ट व्यंजन और पारंपरिक फूड प्रोडक्ट्स लेकर यहाँ पहुँची हैं,यह सिर्फ खाने की चीजें नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, आत्मनिर्भरता और सपनों की पहचान हैं। जिनको ट्रेड शो मे आने वाले खरीददारों द्वारा इन महिलाओं को आर्थिक मजबूती देती है और उनके परिवारों को नई रोशनी।

लैब टेक्नीशियन भर्ती में बड़ा घोटाला, विज्ञापन में खेल

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में एक्सरे टेक्नीशियन के बाद अब लैब टेक्नीशियन एलटी की भर्ती में भारी घोटाले की शिकायत हुई है। एक पिता की तीन से चार संतानों को लैब टेक्नीशियन बना दिया गया है। कई लोगों के पते समान हैं। जांच रिपोर्ट 17 सितंबर को शासन को भेजी गई है। स्वास्थ्य विभाग में 2007 में 572 लैब टेक्नीशियन की भर्ती की गई। इनमें 35 चयनितों में कई परिवारों के एक से अधिक लोगों का चयन किया गया। इनके रोल नंबर भी एक साथ हैं। लैब टेक्नीशियनों के पिता का नाम, पता और अन्य विवरण संदेहास्पद हैं एक ही जिले से अधिक संख्या में अभ्यर्थियों के चयन से स्पष्ट है कि इसमें भाई-भतीजावाद और अनुचित लाभ लेकर चयन किया गया है। ये नियुक्तियां अधिक आयु वाले अभ्यर्थियों का चयन कर की गई। शासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के तत्कालीन आयुक्त राजेश कुमार ने जांच की। 17 सितंबर को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को जांच रिपोर्ट भेजी है। संदेहास्पद तथ्यों को उजागर करते हुए उच्चस्तरीय जांच की संस्तुति की है चयनित लैब टेक्नीशियन के तमाम परिजन और रिश्तेदार स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। एलटी के पिता का नाम पता और जिला समान होने से स्पष्ट है कि सीमित आवेदन लेकर एक ही परिवार के सगे संबंधियों को नियुक्ति दी गई है।जांच में पता चला है कि भर्ती संबंधी विज्ञापन दो अखबारों में प्रकाशित किया गया है, लेकिन पत्रावलियों में विज्ञापन प्रकाशित नहीं मिला है। स्पष्ट है कि पदों पर चयन का प्रसार नहीं किया गया। चयनितों के रोल नंबर रैंडम नहीं होकर एक ही क्रम में हैं, जो पारदर्शी चयन प्रक्रिया में संभव नहीं है चयनितों में सर्वाधिक लखनऊ के 56 हैं। प्रयागराज के 41, बस्ती के 38, हरदोई के 27, आजमगढ़ व देवरिया के 25-25, बलिया के 23, महराजगंज व सिद्धार्थनगर के 21-21, गोरखपुर व कुशीनगर के 15-15 हैं।

मोबाइल चार्जर के विवाद में किराएदार ने ताना नकली कट्टा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के ऐशबाग इलाके में चार्जर लगाने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी ने कट्टा तान दिया। पीड़िता का आरोप है कि 2 भाइयों के झगड़े में पड़ोस में रहने वाले किराएदार ने नकली कट्टा तानकर गाली गलौज करने लगा। परिजनों और मोहल्ले वालों के हस्तक्षेप पर हमलावर मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। बाजारखाला के करेहटा शर्मा बिल्डिंग के रहने वाले मीरा देवी ने बताया उनके दोनों बेटे मोबाइल चार्जर को लेकर आपस में बहस कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला किराएदार अकरम अली खान वहां पहुंचा और नकली कट्टा लेकर उनके बेटे लाला उर्फ रितेश पर जान से मारने की नीयत से तान दिया। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट भी की। लखनऊ के ऐशबाग इलाके में चार्जर लगाने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी ने कट्टा निकाल लिया। लोगों ने बीचबचाव किया।पुलिस कर रही आरोपी की तलाशपीड़िता का कहना है कि आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर उनके बेटे की जान बचाई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना से परिवार सहम गया है। आसपास के लोगों में भी दहशत है। मामले में इंस्पेक्टर बाजारखाला का कहना है कि पुलिस में मुकदमा दर्ज करके आरोपी को जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

कांग्रेस नेता आसिफ रिजवी ने लगवाया पोस्टर, आजम खान की रिहाई पर दी मुबारकबाद

लखनऊ (संवाददाता)। आजम के सीतापुर जेल से 23 माह बाद रिहा होने के बाद उनसे मिलने के लिए कई नेता उनके घर पहुंच रहे हैं। कुछ नेता बाहर आने के बाद उन्हें पोस्टर के माध्यम से बधाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता आसिफ रिजवी ने भी राजधानी लखनऊ में पोस्टर लगाए हैं। पोस्टर के माध्यम से आजम को उन्होंने बधाई दी है। पोस्टर पोस्टर में आजम खान, राहुल गांधी, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की फोटो लगाई गई है। जिस पर लिखवाया- संघर्स हमारा जारी रहेगा। आप को बता दें कि इससे पहले आजम खान कि रिहाई पर खुशी जताते हुए समर्थकों ने लखनऊ में पार्टी मुख्यालय के बाहर एक बड़ा बैनर लगाया था। सपा नेता मोहम्मद इकलाख की तरफ से लगाए गए इस पोस्टर में लिखा गया है,आजम लौटे, ये एक नई सुबह की पहचान है, गौर से सुनो...हवाओं में सरकार बदलने का ऐलान है।इकलाख की तरफ से लगाए गए इस पोस्टर में मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, आजम खान, शिवपाल सिंह यादव, बदायूं से सांसद आदित्य यादव और दो अन्य नेताओं की तस्वीरें भी शामिल की गई है। इस बैनर ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। बैनर में संदेश लिखा है किकुछ उसूलों का नशा था कुछ मुकद्दस ख्वाब थे..हर जमाने में शहादत के यही अस्बाब थे.. आजम लौटे, ये एक नई सुबह की पहचान है, गौर से सुनो...हवाओं में सरकार बदलने का ऐलान है। गौरतलब है कि आजम खान को उनके खिलाफ दर्ज सभी मामलों में जमानत मिलने के बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा किया गया था। वे करीब 23 महीने जेल में रहे, जहां उन्हें कई मामलों में सजा और जमानत की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है। एक दिन पूर्व उनके जेल से रिहा होने पर उनके समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। रिहा होने के बाद आजम खान सीधे अपने घर पहुंचे। वहीं आजम की रिहाई के बाद 8 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उनसे मिलने रामपुर भी जाएंगे।

गोरखपुर जं. स्टेशन पर साफ-सुथरे रेलवे ट्रैक का दृश्य

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ

एवं साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छोत्सव थीम पर आधारित स्वच्छता ही सेवा अभियान के ग्यारहवें दिन 27 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर एवं रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके अन्तर्गत स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म, सकुर्लेटिंग एरिया, प्रतीक्षालय, कार्यालयों एवं ट्रैक के किनारों की सफाई की गई तथा फूड स्टालों, वाटर बूथों का निरीक्षण किया गया तथा स्वच्छता जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों, कर्मचारियों को जागरूक किया गया। 27 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छ भारत सांस्कृतिक उत्सव एवं स्वच्छ भारत मिशन के लिये प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। फूड स्टालों एवं जनआहार का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य सामग्री को स्वच्छ रखने हेतु सुझाव दिया गया। स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता प्रति जागरूक किया गया। इस अभियान के अन्तर्गत गोरखपुर जं. स्टेशन पर रेलव ट्रैक की साफ-सफाई की गई। वाराणसी मंडल पर ह्यस्वच्छोत्सवह्य थीम के अन्तर्गत प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छ भारत सांस्कृतिक उत्सव एवं स्वच्छ भारत मिशन के लिये प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वाराणसी सिटी, बनारस, भटनी, बलिया, बेलथरा रोड, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, प्रयागराज रामबाग, आजमगढ़ स्टेशनों पर स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छ और अवरोधमुक्त वातावरण बनाये रखने के लिये तथा कीटों के प्रवेश को रोकने के लिये पेस्ट एंड रोडेंट कंट्रोल ड्राइव चलाया गया। इन स्टेशनों पर प्लेटफॉर्मों, कार्यालयों, प्रतीक्षालयों, सकुर्लेटिंग एरिया एवं रेलवे टैज्क के दोनों किनारों की सफाई की गई।

अजय राय ने बरेली विवाद की निंदा की, कहा,सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए यह सब कुछ करवा रही

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को बरेली विवाद की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह साजिश है। जिसे जानबूझकर भड़काया जा रहा है। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए यह सब कुछ करवा रही है। पुलिस की तरफ से यह लाठी चलवाई गई है, जो कि मैं समझता हूं कि पूरी तरह से निंदनीय है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। इसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। उन्होंने कहा कि सरकार की इजाजत के बगैर एक पत्ता भी नहीं हिलेगा। सरकार जब चाहती है, तो हमें हाउस अरेस्ट करवा लेती है। आपने यह सब कुछ जानबूझकर होने दिया। इसका मतलब है कि यह सब कुछ किसी की शह पर किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह से गलत है, जिसकी आड़ में यह लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश करते हैं। वहीं, आई लव मोहम्मद अभियान पर अजय राय ने कहा कि हिंदुस्तान में हर व्यक्ति को अपने ईश्वर से प्यार करने का पूरा अधिकार है। लेकिन, यह अफसोस की बात है कि इसमें राजनीति का रंग घोलने की कोशिश की जा रही है, जो कि बिल्कुल भी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लोग आम जनमानस को परेशान करने के मकसद से उनका मकान गिराते हैं, उनके संसाधनों पर कब्जा करते हैं, उन्हें बेवजह परेशान करते हैं। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बयान पर अजय राय ने कहा कि निश्चित तौर पर हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री को यह बात खुलकर बतानी चाहिए।

धर्म के नाम पर यूपी का माहौल बिगाड़ रही भाजपा सरकार: संजय

लखनऊ (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार धर्म और त्योहारों के नाम पर समाज में तनाव फैलाकर बेरोजगारी, किसानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसे असली मुद्दों को दबाने के लिए धर्म के नाम पर झगड़े का खेल चला रही है। इस साजिश में भाजपा की नफरती सरकार और तथाकथित धर्मगुरु शामिल हैं । साजिशों से सावधान नही हुए तो हिस्से में सिर्फ बबादी आएगी।संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि नौजवान पेपर लीक और रोजगार संकट के खिलाफ लगातार संघर्ष कर रहे हैं, किसान बदहाली झेल रहे हैं और लद्दाख में पूर्ण राज्य की मांग उठाने वाले आंदोलनकारियों को दबाने के लिए प्रख्यात समाजसेवी सोनम वांगचुक को एनएसए जैसे कठोर कानून में कैद कर दिया गया, लेकिन इन सब मुद्दों पर चुप्पी साधकर भाजपा नए-नए धार्मिक विवाद खड़े करती है। गोदी मीडिया भी बौद्धिक आतंकवाद से नफरत का जहर घोलने में लगा है ताकि जनता के असली सवाल दबे रह जाएं। ईद, बकरीद, होली, दिवाली, नवरात्र जैसे हर त्यौहार से पहले तनाव खड़ा कर दिया जाता है। जनता साजिश से सावधान नहीं हुई तो हिस्से में सिर्फ बबार्दी ही आएगी। भाजपा को न अस्पताल बनाने से मतलब है, न शिक्षा देने से, न रोजगार पैदा करने से और न व्यापार बढ़ाने से। मोदी सरकार का असली एजेंडा है जनता को चौपट करना और असली मुद्दों से ध्यान भटकाना।

सेवा चयन आयोग बनने के बाद नही हुई कोई भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। जबसे शिक्षा सेवा चयन आयोग बना है, तब से कोई भर्ती नहीं हो सकी है। चयन के एक साल बाद ही गत शुक्रवार को आयोग की अध्यक्ष प्रफेसर कीर्ति पांडेय का इस्तीफा हो गया। अब तो नए अध्यक्ष चुने जाने के बाद ही भर्ती की कोई प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। शिक्षा के विभिन्न विभागों में कई साल से पद खाली हैं, लेकिन भर्ती का इंतजार खत्म ही नहीं हो रहा है। पहले शिक्षा से जुड़े विभागो के अलग-अलग बोर्ड और आयोग थे। वे अपने स्तर से भर्तियां करते थे। प्रदेश सरकार ने सभी को मिलाकर एक आयोग के गठन का निर्णय लिया। तब से सभी भर्तियां पूरी तरह रुक गई। 23 अगस्त2023 को शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन किया गया। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया। मार्च 2024 में आयोग के 12 सदस्यों का चयन किया गया। प्रोफेसर कीर्ति पांडेय का चयन एक सितंबर 2023 को अध्यक्ष पद पर किया गया। विभिन्न विभागों से अधियाचन मांगे गए, उसमें ही काफी वक्त लगा।माध्यमिक शिक्षा की कुछ भर्तियों के लिए तारीख घोषित की गई, लेकिन हर बार किसी न किसी वजह से परीक्षा टल गई। अब अध्यक्ष का ही इस्तीफा हो गया। नए अध्यक्ष के चयन में वक्त लगेगा। उसके बाद ही भर्तियों की प्रक्रिया आगे बढ़ेगे। वरिष्ठतम सदस्य को अध्यक्ष का कामकाज संभालने के निर्देश दिए गए है।प्रदेश सरकार ने नए अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू की है। 21 अक्टूबर तक आवेदन मांगे गए है। अध्यक्ष काकार्यकाल तीन साल का होगा, अधिकतम आयु 65 वर्ष होगी। इस पद के लिए जरूरी है कि आवेदक आईएएस अफसर, किसी विश्वविद्यालय का कुलपति या किसी विश्वविद्यालय में बतौर प्रफेसर 10 साल का अनुभव और तीन साल का प्रशासनिक अनुभव रखता हो। बताया गया है किबेसिक शिक्षकों की भर्ती के लिए आखिरी बार 2018 में 69,000 शिक्षक भर्ती और 68,500 शिक्षक भर्ती का आवेदन हुआ था। ये भर्तिया 2020 में पूरी हुई थी।एडेड माध्यमिक शिक्षक भर्ती के लिए 4,163 पदों के लिए चयन बोर्ड ने 2022 में विज्ञापन निकाला था।

मैक्स अस्पताल, लखनऊ ने शहर में बढ़ते हृदय रोगों के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया हार्ट हेल्थ कार्निवल

लखनऊ (संवाददाता)। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, में आज हार्ट हेल्थ कार्निवल का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों से आए 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस पहल के बारे में बोलते हुए, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, के कार्डियोलॉजी, कार्डियक साइंसेज के चेयरमैन-डॉ. नकुल सिन्हा, ने कहा, पारंपरिक रूप से दिल के रोग, खासकर कोरोनरी आर्टरी डिजीज को केवल बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था। लेकिन पहचान और डायग्नोसिस में हुई प्रगति के चलते अब यह साफ हो गया है कि दिल का रोग किशोर और युवाओं के साथ सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। इस रोग की घटनाओं और प्रसार में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल, स्मोकिंग और लाइफस्टाइल की परेशानियां हैं। हार्ट अटैक और अचानक मृत्यु जैसी स्थितियां इन वर्गों में अब काफी आम हो गई हैं। इसके अलावा कई अन्य रोग भी हैं, जो दिल को प्रभावित कर सकते हैं और लक्षणों तथा संबंधित तकलीफों का कारण बनते हैं। डॉ. नकुल, ने आगे कहा, ह्रहृदय की पंप करने की क्षमता में कमी अलग-अलग कारणों से, हार्ट फेल्योर सिंड्रोम का कारण बन सकती है। यह तब भी हो सकता है जब हृदय की पंपिंग क्रिया सामान्य रहे। यह स्थिति कई मॉडर्न जिंदगी में सेहत के खघ्लिाफ जाकर अपनाई गई आदतों का नतीजा हैं, जिनके कारण ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर, ओवरवेट होना और फेफड़ों की समस्याएं बढ़ती हैं। भारतीयों में एक खघस मुश्किल यह भी है कि कभी-कभी अधिक मोटापे के बिना भी पेट के अंदर चर्बी ज्यादा पाई जाती है, जो अपने बुरे असर छोड़ती है। कुछ असामान्य जेनेटिक या वंशानुगत स्थितियां भी हैं, जो अचानक हृदय की धड़कन को असामान्य कर सकती हैं और कई बार यह घातक भी साबित होती हैं। डॉ. अम्बुकेश्वर सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर एवं यूनिट हेड, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने सभी को साइलेंट हार्ट अटैक के बारे में जागरूक किया और कहा, हालांकि यह आम नहीं है, लेकिन सामान्य लक्षणों जैसे सीने में दर्द या सांस फूलना आदि के बिना भी साइलेंट हार्ट अटैक हो सकता है। कुल हार्ट अटैक में ऐसे मामलों की संख्या खघसकर डायबिटीज के रोगियों में लगभग 5ः से 10ः तक होती है। कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य के बारे में बात करते हुए, प्रो. डॉ. डी. प्रभाकरन, एमडी, डीएम (कार्डियोलॉजी), एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल (ब्क्ब्) ने कहा, पर्यावरणीय बदलाव, खघसकर वायु प्रदूषण, भारत में दिल के रोगों की बढ़ती घटनाओं के प्रमुख कारण के रूप में उभर रहा है। सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल (ब्क्ब्) के अंतर्गत किए गए रीसर्च में पाया गया है कि, भारतीयों में कार्डियोवैस्कुलर रोगों के ज्यादा मामले सामने आने में जेनेटिक, लाइफस्टाइल और एनवायरनमेंटल कारकों का एक साथ होना एक बड़ी वजह है, जिसमें वायु प्रदूषण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शहरीकरण और कुपोषण भी दिल के रोगों के बढ़ते बोझ में योगदान दे रहे हैं। भारत में, वायु प्रदूषण प्रतिवर्ष 1. 27 मिलियन लोगों की मृत्यु के लिए जिम्मेदार है, जिनमें से आधी मौतें कार्डियोवैस्कुलर रोगों से संबंधित हैं। इससे दिल का दौरा और स्ट्रोक के खघ्तरे 48ः तक बढ़ जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

उप मुख्यमंत्री ने अशोक सिंघल की जयंती पर अर्पित किए श्रद्धा सुमन

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सरकारी आवास सात कालिदास मार्ग पर अशोक सिंघल की जयन्ती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।श्रीराम जन्म भूमि मंदिर आंदोलन के महानायक अशोक सिंघल की जयंती पर उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल जैसे विराट व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति इस धरती पर युगों में आते हैं और एक जन्म में ही सौ जन्मों से अधिक काम कर जातें हैं। कहा कि वे उनकी जयंती पर बार बार नमन करते हैं। अशोक सिंघल के प्रेरणादायी सुकृत्य हम सभी के लिए सदैव मार्गदर्शक बने रहेंगे।

कुर्मांचल रामलीला आज से ,समिति ने पेश की कार्यक्रम की रूपरेखा

लखनऊ (संवाददाता)। कुर्मांचल नगररामलीला कमेटी ने रामलीला महोत्सव का एलान किया। कमेटी के महामंत्री विपिन सिंह ने बताया कि 28 सितम्बर को रामलीला का शुभारंभ हो रहा है जिसमें 6 पाठ का मंचन किया गया है। श्री राम के जन्म से लेकर उनके द्वारा धनुष यज्ञ तक का प्रस्तुति किया गया। अगले दिन 28 को परशुराम लक्ष्मण संवाद से साथ श्री राम वन गमन तक चार अध्याय का मंचन किया जाना है। 30 को केवट प्रसंग से सीता हरण तक सात अध्यायों का मंचन होगा। 1अक्टूबर को राम विलाप और विभीषण शरणागति सहित सात अध्यायों का सुंदर वर्णन किया जाएगा। जिसके बाद 2 को छः अध्यायों जिसमें सेतु निर्माण सहित राम रावण युद्ध और रावण वध का बड़ा ही खूबसूरत मंचन संचालित किया जाएगा। रामलीला के अंतिम दिन 3 अक्टूबर को दो अध्याय जिसमें राम भरत मिलाप और श्री राम का राज्याभिषेक का मंचन किया जाता है जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और अंत में पारितोषिक वितरण किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर मेदांता से डिस्चार्जअब गौतमपल्ली आवास पर रहेंगे

लखनऊ (संवाददाता)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की सेहत अब पूरी तरह ठीक है। कई दिनों से मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ में इलाज के बाद उन्हें शनिवार दोपहर डिस्चार्ज कर दिया गया। डॉक्टरों ने उन्हें फिलहाल बेड रेस्ट की सलाह दी है। ओपी राजभर पिछले कई दिनों से मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती थे। विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. राकेश मिश्रा के नेतृत्व में उनका लगातार इलाज चल रहा था। सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने जानकारी दी कि सभी शुभचिंतकों के आशीर्वाद और डॉक्टरों की सतत देखरेख से मंत्री जी पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। डिस्चार्ज के बाद उन्हें सीधे लखनऊ के गौतमपल्ली स्थित मंत्री आवास संख्या-20 ले जाया गया। डॉक्टरों की सलाह है कि अभी कुछ समय तक उन्हें आराम करना होगा। मंत्री के स्वस्थ होकर घर लौटने की खबर से पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में खुशी की लहर है। सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं का दौर शुरू हो गया।

हजरतगंज में आठवीं की छात्राएं बनीं एसीपी-एसएचओ चार्ज लेते ही ली क्राइम मीटिंग

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के सबसे वीआईपी पुलिस स्टेशन हजरतगंज में शनिवार सुबह नजारा अनोखा था। यहाँ एसीपह और एसएचओ की कुर्सी पर बैठीं कोई अफसर नहीं बल्कि कक्षा आठ की दो छात्राएं थीं। स्कूल यूनिफॉर्म में दोनों छात्राओं ने चार्ज लेते ही क्राइम मीटिंग की, रजिस्टर चेक किया और चौकी इंचार्जों को स्पष्ट निर्देश दे डाले-महिला अपराध के हर केस पर तुरंत कार्रवाई होगी। कक्षा आठ की छात्रा नव्या गुप्ता ने एसएचओ का चार्ज संभालते ही हजरतगंज थाने में क्राइम मीटिंग बुलाई। वहीं परिधि चौहान बनीं एसीपी दोनों ने मिलकर महिला अपराध पर समीक्षा की और बीते दिनों हुई घटनाओं की जानकारी ली। क्राइम मीटिंग में छात्रा एसएचओ नव्या ने चौकी इंचार्जों से कहा कोई भी शिकायत आए तो तुरंत जांच होनी चाहिए, देरी बर्दाश्त नहीं। छात्रा एसीपी परिधि ने जोड़ा महिला अपराध और महिला संबंधित सूचनाओं का त्वरित निस्तारण होना चाहिए। दोनों छात्राएं उच्च प्राथमिक विद्यालय राजभवन की हैं। चार्ज लेते ही दोनों ने कहा पुलिस का काम जिम्मेदारी वाला है। हम भी आगे चलकर पुलिस अधिकारी बनना चाहती हैं। प्रभारी निरीक्षक बनी छात्रा नव्या गुप्ता बोलीं सीएम योगी का महिला शक्ति मिशन बहुत अच्छा है। हमें भी लगा कि महिला सुरक्षा में हम भी योगदान दे सकते हैं। चार्ज लेने के दौरान एसीपी विकास जायसवाल, प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह सहित पुलिस टीम मौजूद रही। दोनों छात्राओं को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण: एआईपीएफ

लखनऊ (संवाददाता)। आल इंडिया पीपुल्स फ्रन्ट की राष्ट्रीय कार्य समिति ने प्रेस को जारी बयान में कहा है कि सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण है और उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। मोदी सरकार को लद्दाख के लोगों के लोकतांत्रिक शांतिपूर्ण आंदोलन पर दमन और उत्पीड़न करने के बजाय लद्दाख को राज्य का दर्जा देने एवं छठी अनुसूची को लागू करने का अपना वादा पूरा करना चाहिए। एआईपीएफ ने कहा कि यह सर्वविदित है वांगचुक लद्दाख को राज्य का दर्जा देने एवं छठी अनुसूची को लागू करने का वादा पूरा करने की मांग को लेकर पिछले चार साल से बिल्कुल गाँधीवादी शांतिपूर्ण तरीके से अपना आंदोलन एवं अनशन चला रहे थे। उनसे कई दौर की बातचीत के जरिए लद्दाख के लोगों की चिंताओं का समाधान करने से इनकार करने से निराश होकर, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और अन्य जन संगठनों ने 15 दिनों तक शांतिपूर्ण भूख हड़ताल की। मोदी सरकार ने उनकी इन मांगों को लेकर कोई भी सकारात्मक रुख नहीं दिखाया। परिणामस्वरूप शांतिपूर्ण आंदोलन की परम्परा के इस इलाके में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उसके बाद लगता है कि सरकार ने बीजेपी दफ्तर को जलाए जाने की घटना को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ लिया है और उस व्यक्ति पर हमला बोल दिया है जो किसी भी तरह से इसके लिए जिम्मेदार नहीं दिखता। सरकार ने वांगचुक की गिरफ्तारी अहंकार, क्रोध और प्रतिशोध की भावना से की है जोकि जनता की लोकतान्त्रिक मांगों को दबाने का प्रयास है। उन पर राष्ट्रद्रोह की धारा लगाई गई है। पूरे लद्दाख में इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी गई है। हालत इतनी बुरी है कि एक अत्यंत ठंडे क्षेत्र में रहने वाले सोनम वांगचुक को जोधपुर जैसे अत्यंत गर्म स्थान की जेल में रखा गया है। लद्दाख के घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि मोदी सरकार का 370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विभाजन का फैसला पूरे तौर पर विफल साबित हुआ। आल इंडिया पीपुल्स फ्रन्ट सरकार से सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा करने, दमन पर रोक लगाने, इंटरनेट समेत लोकतांत्रिक गतिविधियों को चालू करने और लद्दाख की जनता से किए वायदों को पूरा करने की मांग करता है।

सम्पादकीय

अब दवाओं पर टैरिफ

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिये नए सिरे से जारी बातचीत के बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फार्मा उत्पादों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवा उत्पादों पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है, बशर्ते कि दवा निमार्ता कंपनियां अमेरिका में उत्पादन सुविधाएं स्थापित न करें। आशंका है कि ट्रंप के इस कदम का प्रभाव भारत के फार्मा उद्योग पर पड़ सकता है, जिसने देश को दुनिया की फामेर्सी के रूप में स्थापित किया है। दुनिया भर से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले तीस अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों में से दस अरब डॉलर से अधिक का निर्यात भारत से होता है। भारत मुख्य रूप से अमेरिका को कम लागत वाली जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। यह अच्छी बात है कि ये जेनेरिक दवाइयां नई टैरिफ व्यवस्था के दायरे में नहीं आती हैं। हालांकि, अभी तक सक्रिय दवा सामग्री यानी एपीआई पर कोई स्पष्टता नहीं है। वैसे भारत से भारतीय ब्राडेंड दवाइयों का भी निर्यात होता है। व्यापार अनुसंधान एजेंसी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के अनुसार फॉर्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत सबसे बड़ा निर्यातक है, लेकिन ये अधिकांशतरू गैर-ब्रांडेड दवाइयां हैं। वैसे अमेरिका द्वारा भारतीय आयात पर पचास फीसदी टैरिफ लगाने पर भी आशंका जताई गई थी कि इससे जेनेरिक व ब्रांडेड दवाएं महंगी हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में भारत की फार्मा कंपनियों की आय का बड़ा जरिया होने के कारण ये काफी कम मार्जिन पर काम करती हैं। ऐसे में यदि उन पर टैरिफ लगता है, तो उनका वहां कारोबार करना कठिन हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के दवा बाजार में बड़े ब्रांड वाली दवाइयों के सस्ते प्रारूप वाली जेनेरिक दवाइयों का आधे से अधिक हिस्से पर अधिकार है, जिससे अमेरिका की स्वास्थ्य सेवा लागत में अरबों रुपये की बचत होती है। एक अनुमान के अनुसार, यह बचत एक साल में दो सौ डॉलर से अधिक की होती है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि भारत व अमेरिका में व्यापार समझौता नहीं होता तो भी टैरिफ के कारण कुछ भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों को बाजार से बाहर होना पड़ सकता है। लेकिन यह स्थिति अमेरिका के लिये भी संकट बढ़ा सकती है। भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों की अनुपस्थिति में अमेरिका में पहले ही दवाओं की कमी का संकट और गहरा सकता है। लेकिन ट्रंप के फार्मा उद्योग पर सौ फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय दवा उद्योग में निराशा जरूर व्याप्त हुई है। देश के बड़े दवा शेयरों में अचानक आई गिरावट इसका ही नतीजा है। अब चाहे यह गिरावट अल्पकालिक हो, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि ट्रंप के अगले कदम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। दवा उद्योग को आशंका है कि ट्रंप आने वाले दिनों में जेनेरिक दवाओं पर भी टैरिफ लगा सकते हैं, जबकि अमेरिकी प्रशासन को पता है कि ऐसे किसी प्रतिबंध से वहां स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में इजाफा होगा। वहीं दूसरी ओर, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की इन दवाओं तक पहुंच सीमित हो जाएगी। निश्चित रूप से अमेरिका से चल रही बातचीत के दौरान भारत को इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। हालांकि, अमेरिका को भी पता है कि ये निषेधात्मक टैरिफ खुद उसके लिये भी प्रतिकूल साबित हो सकते हैं। साथ ही, अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं, जो पहले ही ट्रंप के विघटनकारी फैसलों का शिकार है। ऐसे में अमेरिका को सस्ती दवाओं को एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आगामी समझौते में उसके दवा क्षेत्र के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित हों। इसके साथ ही भारत को अपनी दवाओं के लिये नये बाजार तलाशने चाहिए। साथ ही, प्रमुख भारतीय दवा कंपनियों को जटिल जेनेरिक दवाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो मुख्य रूप से ब्रांडेड श्रेणी में आती हैं। इससे दवा कंपनियों को उच्च मूल्य वाले बाजार में पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है।

टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई

चण्डीगढ़ के एयरबेस से मिग-21 की आखरी उड़ान के साथ मिग की विदाई केवल एक सुपरसोनिक फाइटर की विदाई नहीं है अपितु भारतीय वायु सेना के फाइटर बेडे से मिग की गौरवशाली अतीत की विदाई है। अपनी गति, शक्ति और मारक क्षमता के कारण नाम से ही दुश्मनों में दहसत बनाने वाले मिग-21 अपनी यात्रा के 62 वर्ष पूरे कर विदा हो रहा है। 1962 के युद्ध के कटु अनुभवों के बाद भारत ने अन्य विकल्प होते हुए भी सोवियत रुस के मिग-21 को प्राथमिकता दी। 1963 में चण्डीगढ़ में ही मिग ने भारतीय वायु सेना में प्रवेश किया और 26 सितंबर, 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेनाप्रमुखों के बीच औपचारिक विदाई ली है। स्क्वाड्रनलीडर प्रिया सिंह ने अंतिम उड़ान भर कर मिग-21 को शानदार-यादगार विदाई दी। मिग-21 का 1965, 1971, करगिल, बालाकोट और ऑपरेशन सिन्दूर तक गौरवशाली इतिहास रहा है। हालांकि मिग-21 के उड़ान के दौरान हुई दुर्घटनाओं ने इसे उड़ता ताबूत ही नहीं विडो मेकर तक कहा जाने लगा। दरअसल पाकिस्तान से युद्ध के दौरान अमेरिका के एफ-16 युद्धक विमान को गिरा कर सारी दुनिया को इसने आश्चर्य में ड़ाल दिया था। 1971 में ढ़ाका में गर्वनर हाउस पर बमबारी कर अपनी मारका क्षमता का लोहा मनवा चुका है। भारतीय वायु सेना में 800 से अधिक मिग का बेड़ा रहा है। इनमें से करीब 400 मिग के दुर्घटनाग्रस्त होने और करीब 200 पायलट और 50 नागरिकों की मौत के कारण गति, शक्ति और रफ्तार के बावजूद मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा जाने लगा। यह दूसरी बात है कि कुछ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण हुई तो कुछ अन्य कारणों से। मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की आपूर्ति के कारण भारत को भी अपनी वायुसेना को वेल इक्विप्ड करने की आवश्यकता महसूस हुई और अमेरिका सहित अन्य देषों के फाइटर विमानों के विकल्प होने के बावजूद भारत ने सोवियत रुस के मिग फाइटर विमान खरीदने को पाथमिकता दी। हालांकि 1965 के युद्ध में मिग का सीमित योगदान रहा पर 1971 के युद्ध की तो भाषा ही मिग फाइटर ने बदल कर रख दी। अमेरिका के एफ-16 विमानों को मारगिराकर मिग विमानों ने ना केवल अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया अपितु दुनिया के देशों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। हालिया ऑपरेशन सिन्दुर में भी मिग विमानों ने महत्वूपर्ण भूमिका निभाई है। मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निमार्ता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है। फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है। देखा जाएं तो मिग ने भारतीय सेना में अपनी गौरवपूर्ण सेवाएं दी और भारतीय सैनिकों ने युद्ध के दौरान इसका जिस तरह से उपयोग किया वह भारतीय सेना के गौरव को बढ़ाने वाला रहा। यही कारण है कि मिग को गौरवपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। जहां से इसकी शुरूआत हुई वहीं से इसको विदाई दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा। युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई। अब भारतीय वायु सेना में स्वदेशी फाइटर तेजस मिग का स्थान लेगा। सुखाई, राफेल और तेजस आदि की उपस्थिति से आज भारत की वायुसेना दुनिया की सबसे सक्षम और ताकतवर सेनाओं में से एक है। भले ही भारतीय वायु सेना के बेडे से मिग की विदाई हो गई है पर 1971 का युद्ध, करगिल, बालकोट, ऑपरेशन सिन्दुर और इसी तरह के अभियानों की चर्चा होगी तो मिग की गौरवपूर्ण सेवाओं को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

20 वर्षों में बिहार ने बुना ग्रामीण सड़कों का मजबूत नेटवर्क

पिछले 20 वर्षों में राज्यभर में कुल एक लाख, 19 हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है ।विगत दो दशकों में राज्य में कुल ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 8,000 कि.मी. से बढ़कर 1,19,000 कि.मी. से भी अधिक हो गया है। ग्रामीण सड़कें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है। पिछले 20 वर्षों में बिहार ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे न केवल राज्य के सुदूर गांवों से शहरों की दूरी कम हुई है, बल्कि ग्रामीण सड़कों ने गांव से गांवों की दूरी भी मिटा दी है। पिछले 20 वर्षों में राज्यभर में कुल एक लाख, 19 हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है ।विगत दो दशकों में राज्य में कुल ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 8,000 कि.मी. से बढ़कर 1,19,000 कि.मी. से भी अधिक हो गया है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा पिछले 20 वर्षों में 2,560 पुलों का भी निर्माण कराया है। जो राज्य की 1 लाख, 20 हजार से भी अधिक ग्रामीण बसावटों को बारहमासी सड़क संपर्कता उपलब्ध करा रही हैं। जिससे राज्य के ग्रामीण इलाकों अब हर मौसम में यातायात व्यवस्था को सुगमता प्रदान हुई है। इस 'सड़क क्रांति' ने राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण संपर्क में भी सुधार किया है। जिससे बिहार की ग्रामीण आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने रोजगार तक पहुंचने का एक सुगम मार्ग भी उपलब्ध कराया जा सका है। ग्रामीण कार्य विभाग के अनुसार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति-2018 के तहत राज्यभर में कुल 36,894 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों

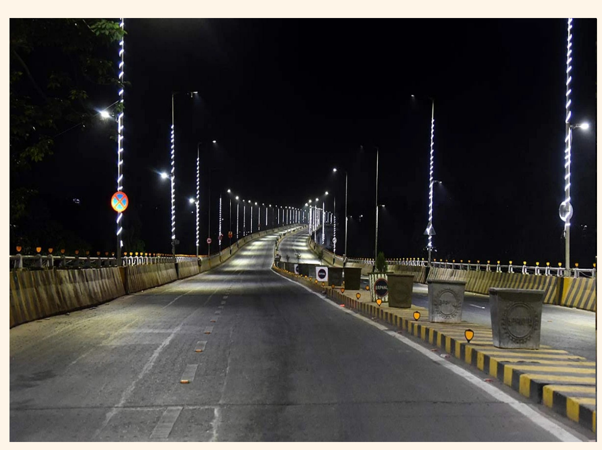

का अनुरक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया है। विभाग के अनुसार फिलहाल राज्य में 12,500 ग्रामीण सड़कों के निर्माण का काम प्रगति पर है। साथ ही, 1,791 ग्रामीण पुलों के निर्माणकार्य को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। बिहार के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का यह जाल, ग्रामीण आबादी को यातायात के सुगम साधन से जोड़ रहा है तथा गांवों के उद्योगों को भी शहरों के बाजार से जोड़ रहा है। आज सड़कों के नेटवर्क से किसानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिलने लगा है। इन अभूतपूर्व बदलाव से राज्य में प्रति व्यक्ति आय में 700 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि बिहार में गांवों के बारहमासी सड़कों से जुड़ने की वजह से सम्भव हो पाया है। इन सड़कों के निर्माण का सकारात्मक परिणाम यह भी है कि राज्य में नये उद्योगों की स्थापना, पयर्टन स्थलों पर पर्यटकों के आने की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ-साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिला है। सड़क दुर्घटना में मुआवजा देने में बिहार देश में पहले स्थान पर बिहार का सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए या मारे गए लोगों को मुआवजा देने में देश में पहला स्थान है। मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने की योजना के अंतर्गत गंभीर चोट लगने पर 50 हजार और मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये देने का प्रावधान है। इसके तहत जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) के पास हिट एंड रन से जुड़े 9 हजार 80 मामले अंतिम अनुमति के लिए भेजे गए हैं, ताकि इन्हें मुआवजा दिलाया जा सके। इसमें अब तक 5 हजार 830 मामलों में पीड़ितों को मुआवजा दिया गया है। यह जानकारी एडीजी (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एडीजी ने कहा कि पिछले डेढ़ से दो साल में 1626 मामलों में 84 करोड़ 19 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। सड़क दुर्घटना से जुड़े मामलों का समय पर निपटारा करने के लिए 10 जिलों पटना, सारण, पूर्णिया, गयाजी, डेहरी, सहरसा, मुंगेर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में एमएसीटी (मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण) का गठन किया गया है। इसमें 6 महीने, 9 महीने और अधिकतम 12 महीने में मामलों का निपटारा पूरा करने का प्रावधान किया गया है।

मलयालम के मोहनलाल हिंदी के अमिताभ से कम नहीं

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित मलयालम अभिनेता मोहनलाल ने चार दशक के कैरियर में कई भाषाओं की फिल्मों में अभिनय किया। भारतीय सिनेमा पर मोहनलाल का प्रभाव बेजोड़ है। परदे पर वे अपनी प्रभावशाली मौजूदगी के लिए जाने जाते हैं। वे देश के सबसे सम्मानित अभिनेताओं में शामिल हैं। उन्हें मलयाली फिल्मों का अमिताभ बच्चन कहा जाता है। उनकी संवाद अदायगी और भावनाओं का प्रदर्शन प्रभावी है। वे गायक हैं और फिल्म निमार्ता भी। मलयालम सिनेमा को वैश्विक प्रसिद्धि दिलाने में वे मददगार रहे। केरल देश के छोटे राज्यों में है और यहां बोली जाने वाली मलयालम भाषा का दायरा भी सीमित है। इस भाषा में फिल्में भी बनती हैं। लेकिन, जब भी मलयालम की फिल्मों का जिक्र होता है, बात एक ही अभिनेता से शुरू होती है और उसी पर खत्म भी हो जाती है। ये हैं सर्वकालिक लोकप्रिय अभिनेता मोहनलाल, जिन्हें इस बार भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहेब फाल्के से नवाजा गया। मोहनलाल ने मलयालम सिनेमा को वैश्विक पहचान दी। उन्होंने अभिनय के मामले में मलयालम सिनेमा समृद्ध किया, वहीं व्यावसायिक रूप से मलयालम फिल्म उद्योग को मजबूती दी। बता दें कि मोहनलाल को मलयाली फिल्मों का अमिताभ बच्चन कहा जाता है। दक्षिण के एक छोटे से राज्य की भाषा के इस अभिनेता को सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान मिलना उनकी इसी अभिनय क्षमता का प्रमाण है। इस अभिनेता ने अपने चार दशक लंबे कैरियर में करीब 400 फिल्मों में काम किया। उन्होंने मलयालम के अलावा तेलगु और तमिल की फिल्मों में भी छाप छोड़ी है। उनकी सहज अभिनय शैली की वजह से उन्हें देश में श्रेष्ठ अभिनेताओं में गिना जाता है। माना जाता है कि महान अभिनेता अपने अभिनय से किरदार के भीतर की उत्तेजना को वास्तविकता और संतुलित अंदाज से प्रस्तुत करते हैं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में भी मोहनलाल का योगदान महत्वपूर्ण माना जाता है। वे अभिनेता के साथ ही फिल्म निमार्ता व प्लेबैक सिंगर भी हैं। अभिनय में असाधारण नैसर्गिकता और गहराई दर्शकों को अंदर तक उद्वेलित करती है। कथकली और भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्यों का सहज प्रदर्शन उनकी प्रतिभा का संकेत है। उन्होंने पर्दे पर कलारी मार्शल आर्ट में भी दक्षता दिखाई। उन्हें कई राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कारों से नवाजा गया। मोहनलाल मलयाली सिनेमा के बहुमुखी कलाकारों में एक हैं। उनका अभिनय, सांस्कृतिक विविधता के साथ पेशेवर क्षमता में भी अद्वितीय है। उनकी यही विशेषता उन्हें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास बनाती है। बेहतरीन मलयाली फिल्में देने के लिए मोहनलाल को पांच बार नेशनल अवार्ड मिले। 1990 (किरीदम) के लिए स्पेशल ज्यूरी अवार्ड, 1992 में बेस्ट एक्टर (भारतम), 2000 में फीचर फिल्म (वनप्रस्थानम) के लिए, 2000 में बेस्ट एक्टर (वनप्रस्थानम) और 2017 में स्पेशल जूरी (जनता गैराज, मुन्थिरिवल्लिकल थलिर्क्कुम्बोल, पुलिमुरुगन) के लिए उन्हें नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस मलयालम सुपरस्टार को 2001 में पद्मश्री और 2019 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार हासिल करने वाले मोहनलाल दूसरे मलयाली फिल्मी सितारे हैं। उनसे पहले मलयालम फिल्म निमार्ता अदूर गोपालकृष्णन को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अदूर गोपालकृष्णन को 2004 में यह पुरस्कार मिला। अदूर की एलिप्पथायम, मुखामुखम, मतिलुकल और निजालकुथु जैसी फिल्मों ने मलयालम सिनेमा के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा भी हासिल की। संयोग ही मानेंगे कि मोहनलाल और अदूर गोपालकृष्णन दोनों पथानामथिट्टा जिले से हैं। एक ने अपने यादगार अभिनय से, तो दूसरे ने अनोखे निर्देशन के जरिए सिनेमा के दर्शकों का दिल जीता। सर्वोच्च सम्मान पाने के बाद मोहनलाल ने कहा कि मुझे यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान पाकर अपार गर्व का अनुभव हो रहा है। मलयालम सिनेमा का प्रतिनिधित्व करते हुए, मैं सबसे कम उम्र के पुरस्कार विजेता के रूप में सम्मानित होने पर अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह पूरे मलयालम सिनेमा समुदाय का सम्मान है। मोहनलाल ने इस पुरस्कार को मलयालम सिनेमा की विरासत, रचनात्मकता और सहनशीलता के प्रति एक सामूहिक सम्मान बताया। उन्होंने इसे मलयालम सिनेमा के सभी महान कलाकारों, उद्योग और केरल के दर्शकों को समर्पित किया, जिन्होंने वर्षों से उनकी कला को स्नेह और समझ के साथ पोषित किया। मोहनलाल ने कुमारन आशान की एक पंक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह फूल केवल धूल में नहीं गिरा, बल्कि जीवन को सुंदरता के साथ जिया। यह पुरस्कार उन सभी कलाकारों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत से सिनेमा में अमिट छाप छोड़ी। अभिनय के मामले में मोहनलाल की तुलना अकसर अमिताभ बच्चन से की जाती है, जो सही भी है। अमिताभ बच्चन को हिंदी सिनेमा का ऐसा अभिनेता माना जाता है, जिनकी अभिव्यक्ति में गहराई, गंभीरता और अभिनय शैली की एक अलग छाप है। वे संवाद अदायगी और भावनाओं को बहुत प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करते हैं। उसी तरह मोहनलाल में मेथड एक्टिंग के साथ स्टारडम का अद्भुत संयोजन है।

भारत प्राचीन काल से अब तक विश्व गुरु बनने की तथा-कथा

संजीव ठाकुर

भारतवर्ष ऐतिहासिक तौर पर एक ऐसा देश रहा है जिसने अपनी संस्कृति सनातनी शक्ति एवं ऊर्जा से वैश्विक नेतृत्व किया है बीच के कुछ काल में अवश्य कुछ विदेशी आक्रांताओं ने देश पर हमला कर विदेशी प्रभाव छोड़ा है किंतु आज भारत इस स्थिति में है कि वह विश्व का सक्षम नेतृत्व कर सकता है। भारत ही एक ऐसा देश है जिसने सदियों से दुनिया को ज्ञान, संस्कृति, विज्ञान और नैतिकता का संदेश दिया है। ह्लविश्व गुरुह्व बनने का मतलब केवल ताकत या धन में आगे होना नहीं है, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और नैतिक नेतृत्व में दुनिया के लिए उदाहरण बनना है। यह वह स्थिति है, जो भारत ने प्राचीन काल से लेकर आज तक हमेशा हासिल करने की कोशिश की है।प्राचीन भारत में शिक्षा और विज्ञान का स्तर अत्यंत ऊँचा था। हमारे यहाँ वेदों और उपनिषदों में जीवन, ब्रह्मांड और मानव चेतना के रहस्यों का अध्ययन हुआ। शून्य और दशमलव पद्धति की खोज ने पूरी दुनिया में गणितीय ज्ञान को आसान बनाया। आर्यभट्ट और वराहमिहिर ने खगोल विज्ञान और गणित में अद्वितीय योगदान दिया। सुश्रुत और चरक ने आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा में ऐसी खोजें कीं, जो आज भी विश्व में मान्य हैं। योग और ध्यान ने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का विज्ञान प्रस्तुत किया। धर्म और दर्शन के क्षेत्र में भी भारत ने दुनिया को दिशा दिखाई। बौद्ध और जैन धर्म ने अहिंसा और नैतिकता का संदेश फैलाया। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों ने जीवन, नैतिकता और सही-असही की पहचान करने का मार्ग दिखाया। भारतीय संगीत, नृत्य, कला और वास्तुकला ने दुनिया में हमारी सांस्कृतिक पहचान बनाई। इस समय भारत केवल शक्ति का केंद्र नहीं था, बल्कि ज्ञान और संस्कृति का मार्गदर्शक बन चुका था। मध्यकाल में जब राजनीतिक स्थिति अस्थिर थी और कई विदेशी आक्रमण हुए, तब भी हमारी संस्कृति और शिक्षा जीवित रही। संस्कृत साहित्य, आयुर्वेद, ज्योतिष और तंत्र का अध्ययन जारी रहा। इस समय भारतीय कला और वास्तुकला ने नई शैली अपनाई और समृद्धि पाई। खगोल विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान में भी प्रगति जारी रही। इस समय भारत का प्रभाव केवल राजनीतिक शक्ति से नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कृति के माध्यम से दूर-दूर तक महसूस किया गया। ब्रिटिश शासन में भारत की राजनीतिक स्वतंत्रता और आर्थिक शक्ति सीमित हो गई, लेकिन ज्ञान और संस्कृति की महत्ता कम नहीं हुई। राजा राममोहन राय और स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति और योग को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग से दुनिया को नेतृत्व का नया उदाहरण दिया। इसी समय जगदीश चंद्र बोस और सी. वी. रमन जैसे वैज्ञानिकों ने भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकाया। स्वतंत्रता के बाद भारत ने आधुनिक विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की। आईटी और डिजिटल इंडिया ने भारत को दुनिया में तकनीकी शक्ति बनाया। [illegible] के चंद्रयान और मंगलयान अभियानों ने यह दिखाया कि भारत अंतरिक्ष अनुसंधान में भी अग्रणी है। फार्मास्युटिकल्स और बायोटेक में भारत वैश्विक आपूर्ति केंद्र बन गया। योग और आयुर्वेद का प्रचार, बॉलीवुड और संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रसार, और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी ने आधुनिक भारत को विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ाया है। बेशक चुनौतियाँ अभी भी हैं। गरीबी और असमानता, शिक्षा और अनुसंधान में सुधार की जरूरत, और वैश्विक राजनीति में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। लेकिन अवसर भी बहुत हैं। अगर हम अपने ज्ञान, संस्कृति और नैतिकता का सही इस्तेमाल करें, तो दुनिया के लिए प्रेरणा बन सकते हैं। विज्ञान और तकनीक में आगे बढ़कर हम पर्यावरण और सतत विकास में उदाहरण पेश कर सकते हैं। भारत ने हर युग में यह दिखाया कि अगर प्रयास और दृष्टि सही हों, तो विश्व गुरु बनना संभव है। प्राचीन काल में ज्ञान और संस्कृति के माध्यम से, मध्यकाल में संरक्षण और अनुकूलन के द्वारा, औपनिवेशिक काल में पुनरुत्थान और स्वतंत्र भारत में तकनीक, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के संयोजन से यह सपना हकीकत बन सकता है। भारत का विश्व गुरु बनना केवल ताकत या संपत्ति से नहीं मापा जाएगा, बल्कि ज्ञान, संस्कृति, नैतिकता और आध्यात्मिकता के संतुलन से मापा जाएगा। आज अगर हम अपने प्राचीन ज्ञान और संस्कृति, आधुनिक विज्ञान और तकनीक, और नैतिक नेतृत्व को साथ लेकर चलें, तो यह सपना निश्चित रूप से सच हो सकता है।

सरकारी बैंकों का मुनाफा बढ़ा, रिपोर्ट-15 वर्षों में पहली बार ऋण वृद्धि में निजी बैंकों से आगे निकले

नई दिल्ली , मोतीलाल ओसवाल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सरकारी बैंकों का कुल मुनाफा रिकॉर्ड ?1.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2020 से पीएसबी का बाजार पूंजीकरण लगभग पांच गुना बढ़ गया है।इसके अलावा, कवर किए गए बैंकों की समग्र कमाई ऋ26 से ऋ28 तक 14 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। सरकारी बैंक (पीएसबी) मुनाफे के नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। मोतीलाल ओसवाल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इन बैंकों का रिटर्न ऑन एसेट्स (फ्इअ) एक प्रतिशत से अधिक हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर एसेट क्वालिटी और स्थिर क्रेडिट ग्रोथ ने इस उछाल में योगदान दिया है। पीएसबी का कुल मुनाफा 1.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा रिपोर्ट में बताया गया कि ढरइ सेक्टर का कुल मुनाफा रिकॉर्ड ?1.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है।

एक बिस्तर पर नहीं सोते हिना- रॉकी

बेडरूम सीक्रेट खुलने पर गुस्साई एक्ट्रेस ने बीच में छोड़ा शो

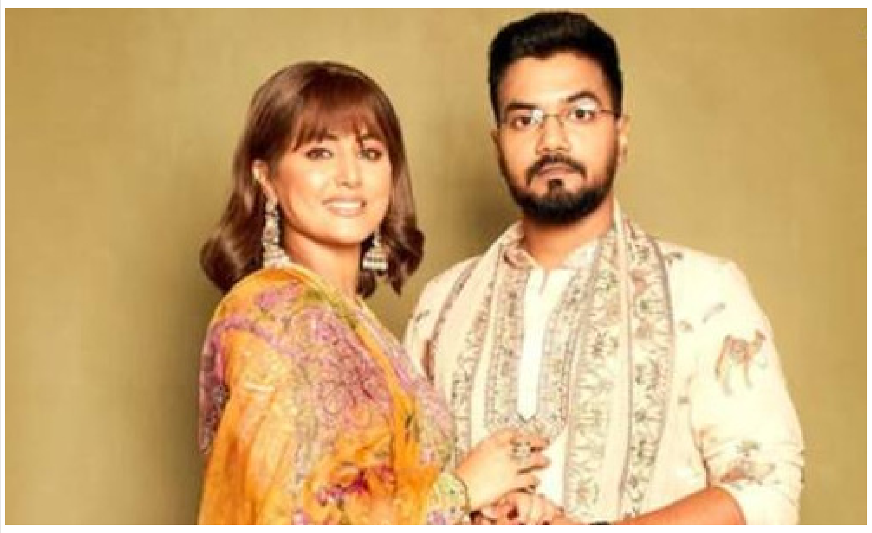

एक्ट्रेस हिना खान बीते काफी समय ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। इस भयंकर बीमारी से जंग लड़ने के साथ-साथ हिना खान फूल एक्टिव मोड में काम भी कर रही हैं। कैंसर फ्री होने से पहले शादी करने वाली हिना उनके पति रॉकी जायसवाल अक्सर प्यार लुटाते हुए नजर आते हैं। अब हाल ही में कपल को लेकर ऐसी खबर सामने आई है जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया है। दरअसल, कहा जा रहा है कि हिना और रॉकी शादी के बाद भी एक बेड पर नहीं सोते। शादी के 5 महीने बाद हिना और रॉकी के बारे में ऐसी बात सुन उनके फैंस हैरान रह गए हैं। हिना और रॉकी इन दिनों श्पति पत्नी और पंगाश में नजर आ रहे हैं। अब हाल ही में शो का नया प्रोमो रिलीज किया गया है। प्रोमो में टास्क के दौरान शो के होस्ट कंटेस्टेंट से एक सवाल पूछते हैं। दरअसल, सोनाली बेंद्रे पूछती हैं कि कौन सा कपल ऐसा है जो बेड पर एक साथ नहीं सोते। ऐसे में अविका और मिलिंद समेत स्वरा और फहाद ने हिना और रॉकी का नाम किया। ऐसे में हिना अपना और अपने पति का नाम लिए जाने पर हैरान हो जाती हैं। रॉकी इसे चरित्र हनन करार देते हैं। वहीं हिना चिल्लाते हुए गेम में अपनी हार का जिम्मेदार अपने पति को बता देती हैं।

आलिया भट्ट ने खेला पिकलबॉल, दिखाया खेल के प्रति जुनून; सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

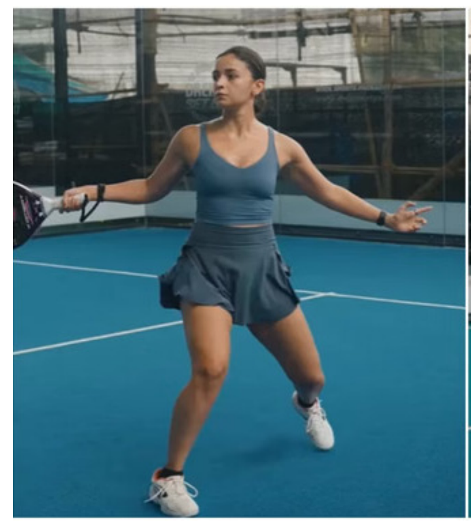

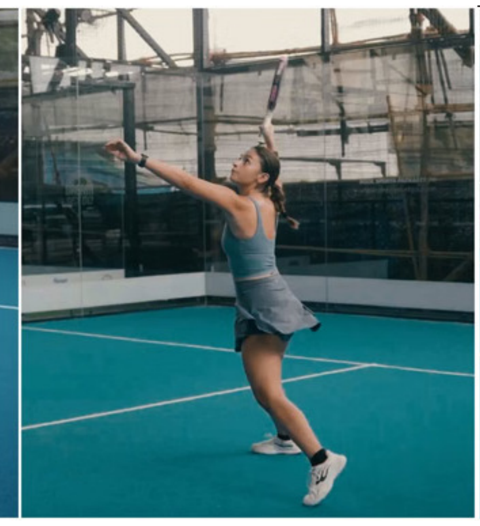

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें पिकलबॉल खेलते देखा जा रहा है। आलिया भट्ट का नाम बॉलीवुड की फिट अभिनेत्रियों में शामिल है। आज शनिवार को एक्ट्रेस ने अपनी फिटनेस और गेमिंग स्किल्स की झलक भी दिखाई है। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो पिकलबॉल खेलती हुई दिख रही हैं। इसे देख यूजर्स भी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। आइए देखें क्या है वीडियो। आलिया ने दिखाई गेमिंग स्किल्स की झलक आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। अभिनेत्री को तेजी से लोकप्रिय हो रहे पैडल खेल में गहरी दिलचस्पी लेते देखा जा रहा है। साथ ही आलिया पूरी एनर्जी और जुनून के साथ पैडल (पिकलबॉल) खेलती दिख रही हैं। वीडियो में उनकी गेमिंग स्किल्स काफी शानदार नजर आ रही है। इसमें अभिनेत्री ब्लू कलर के आउटफिट में स्पोर्टी अंदाज में दिख रही हैं। खेल के प्रति बढ़ा आलिया का जुनून इस वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मेरा पैडल खेल के प्रति जुनून बढ़ता जा रहा है। उन्होंने वीडियो के बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर अपनी फिल्म गली बॉय का रैप अपना टाइम आएगा भी लगाया है। यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया इस वीडियो के वायरल होते ही यूजर्सकी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आपका त्याग और कड़ी मेहनत आपके कार्यों से झलकती है।' इसके अलावा एक अन्य यूजर ने कहा, 'ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन दोनों जगह जबरदस्त हिट।' आलिया भट्ट का वर्कफ्रंट आलिया भट्ट के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह इस साल एक फिल्म अल्फा कर रही हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, इसमें आलिया एक स्पाई का रोल करती दिखेंगी। इस फिल्म में शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर आलिया इन दिनों काफी मेहनत कर रही हैं।

सैफ अली खान ने किए करियर की शुरूआत के संघर्षों का खुलासा

प्रोड्यूसर की अजीब शर्त भी बताई

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सैफ अली खान ने हाल ही में अपने करियर की शुरूआत और शुरूआती दिनों के संघर्षों पर खुलकर बातचीत की। एक इंटरव्यू में सैफ ने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बावजूद उनके लिए रास्ता इतना आसान नहीं था, जितना लोग सोचते हैं। खासकर उनके शुरूआती दिनों में एक महिला प्रोड्यूसर ने उनसे एक अजीब शर्त रखी थी, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया। सैफ अली खान ने अपने अभिनय सफर की शुरूआत 1993 में फिल्म बेखुदी से की थी। लीड रोल के अलावा उन्होंने सपोर्टिंग और साइड रोल्स भी निभाए हैं। नेपोटिज्म को लेकर बॉलीवुड में अक्सर चर्चा होती है, लेकिन सैफ ने स्वीकार किया कि उनके लिए यह सब इतना आसान नहीं था, भले ही वे दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर और मंसूर अली खान पटौदी के बेटे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में एक खास तरह की तैयारी नहीं दी गई थी और वे खुद को पूरी तरह फिट महसूस नहीं करते थे। सैफ ने बताया कि उनके शुरूआती दिनों में उन्हें हफ्ते के केवल 1000 रुपए मिलते थे। उस वक्त एक महिला प्रोड्यूसर ने उनसे कहा कि वह उन्हें ये पैसे देंगी, लेकिन इसके बदले उन्हें गाल पर 10 बार किस करना होगा। यह शर्त सुनकर सैफ भी हैरान रह गए थे। उन्होंने इस अनुभव को इंडस्ट्री में अपनी नेट प्रैक्टिस की तरह बताया, जिसमें उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सैफ ने यह भी खुलासा किया कि उनके मां शर्मिला टैगोर ने उन्हें उनके करियर की शुरूआत में कई बार डांटा था। उनका मानना था कि सैफ अपने करियर को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं और सही फिल्मों का चुनाव नहीं कर रहे। यह बातें सैफ के लिए एक कड़ा सबक थीं। समय के साथ सैफ ने अपनी प्रतिभा से साबित किया कि वे बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। दिल चाहता है,ओमकारा जैसी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी अपनी अलग पहचान बनाई। वे वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स और फिल्म ज्वेल थीफ जैसी परियोजनाओं में भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। सैफ ने 21 साल की उम्र में पहली शादी की थी और दो बच्चे हैं द सारा अली खान और इब्राहिम अली खान। अपने शुरूआती दिनों के दौरान वे एक पिता के तौर पर भी जिम्मेदार थे, वहीं उनका करियर भी संघर्ष भरा था। उन्होंने कहा कि वे कभी भी शहर की सबसे बड़ी फिल्मों में मुख्य भूमिका पाने वाले नहीं थे, लेकिन उन्होंने लगातार मेहनत की और आज वे बॉलीवुड के सम्मानित कलाकारों में गिने जाते हैं।

सैयारा के लिए महेश भट्ट ने दी बड़ी तारीफ, परिवार की अब तक की सबसे बड़ी हिट बताया

बॉलीवुड फिल्ममेकर महेश भट्ट ने हाल ही में अपने भांजे और डायरेक्टर मोहित सूरी की नई फिल्म सैयारा की जमकर तारीफ की है। महेश भट्ट ने इस फिल्म को अपने परिवार की अब तक की सबसे बड़ी हिट बताया है। उनका मानना है कि सैयारा ने भारतीय सिनेमा में नई पीढ़ी के लिए रोमांस की एक नई परिभाषा स्थापित की है। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित सैयारा हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई और देखते ही देखते दर्शकों के दिलों पर छा गई। इस फिल्म में नए कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की जबरदस्त सफलता के बाद मोहित सूरी के मामा और फिल्ममेकर महेश भट्ट ने अपने भांजे की मेहनत की खुले दिल से तारीफ की। एक हालिया इंटरव्यू में महेश भट्ट ने कहा, यह मुझे बहुत खुशी देता है कि हमारी फैमिली में अब तक कोई इतनी बड़ी हिट नहीं दे पाया। जैसे सिंबा की दहाड़ ने मुफासा को पीछे छोड़ दिया हो। मोहित मेरे परिवार के सबसे सेल्फ-मेड डायरेक्टर हैं। मैं उन्हें हमेशा याद दिलाता हूं कि यह सफर खत्म नहीं हुआ है। सफलता जरूर मिलेगी, लेकिन असफलताएं भी आएंगी। महेश भट्ट ने सैयारा को इस पीढ़ी की सबसे महत्वपूर्ण रोमांटिक फिल्म बताया। उन्होंने कहा, हर पीढ़ी की अपनी एक लव स्टोरी होती है जो उसे परिभाषित करती है। जब मैंने आशिकी बनाई थी, तो वह भी उसी पवित्रता और गहराई से जुड़ी थी। उसी तरह, सैयारा आज की पीढ़ी को उनकी प्रेम कहानी देती है। लोग सैयारा देखते हुए आशिकी की याद कर रहे हैं, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि सैयारा नए दौर के लिए रोमांस की परिभाषा बदल देगा। महेश भट्ट ने मोहित के फिल्म निर्देशन में हुए बदलाव की भी सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि मोहित ने इस बार अपनी पुरानी शैली से हटकर कुछ नया और अलग किया है। सैयारा उनकी अब तक की सबसे गहरी और अलग रोमांटिक फिल्म है, जिसमें वह इमोशंस और इंटेंसिटी को पूरी तरह से प्रदर्शित कर पा रहे हैं। यह गहराई प्यार के भावों से जुड़ने के लिए बेहद जरूरी है, और सैयारा में यह पूरी तरह से मौजूद है। महेश भट्ट ने यह भी कहा कि मोहित उनका प्रॉडीजी हैं और अगर वे एक दिन उनसे भी आगे निकल जाएं तो वह इससे ज्यादा खुश कोई नहीं होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर नई पीढ़ी को अपनी पिछली पीढ़ी से बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए और मोहित ने इसे अच्छे से साबित किया है।

करीना कपूर की कार्बन कॉपी., बेटी वेरा की बेबो से तुलना होने पर रजत बेदी ने बोले-मेरे बच्चों में जरा एटिट्यूड नहीं

रजत बेदी आर्यन खान के शो द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में जराज सक्सेना के रूप में पर्दे पर लौट आए हैं। हाल ही में रजत बेदी फैमिली संग द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के प्रीमियर पहुंचे जहां भी की निगाहें उनकी बेटी वेरा बेदी पर टिक गईं, जो पहली बार उनके साथ रेड कार्पेट पर आईं। सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत उनके लुक को नोटिस किया कई लोगों ने तो उनकी तुलना करीना कपूर से भी की। वहीं इस पर अब रजत बेदी ने अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा- श्मेरा पूरा परिवार सुर्खियों में आ गया है। सिर्फ मैं ही नहीं हूं। मेरे बच्चे भी इस समय मेरी और शो की वजह से सुर्खियों में हैं। वे वायरल हो गए हैं, और यह वाकई कमाल का है। वेरा बहुत खुश है... क्योंकि यह ध्यान सिर्फ भारत से ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से है... लोग अमेरिका, कनाडा, लंदन, दुबई, हर जगह से फोन कर रहे हैं। वह बहुत ही साधारण है और उसे पहले कभी इस तरह की किसी चीज का सामना नहीं करना पड़ा। जिंदगी में यह पहली बार है जब वह अपने पिता के साथ किसी रेड कार्पेट इवेंट में गई है। वह बहुत ही साधारण है। फिल्म इंडस्ट्री में पले-बढ़े रजत जानते हैं कि शोहरत अपने साथ बोझ और निगेटिविटी भी लेकर आती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने बच्चों को इस बारे में बताया है तो उन्होंने कहा, श्नहीं, मैंने अभी तक उनसे इस बारे में बात नहीं की है कि इससे कैसे निपटना है। लेकिन वे जानते हैं कि उन्हें हर किसी के साथ विनम्र और सम्मानजनक व्यवहार करना होगा। आप मेरे बच्चों को कभी किसी के साथ कोई रवैया या कुछ भी करते नहीं देखेंगे... हालांकि, यह सब उनके लिए बिल्कुल नया है और उनमें जरा भी एटिट्यूड नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि रजत के दोनों बच्चे अब मनोरंजन जगत में करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं। उनके बेटे विवान बेदी, आर्यन खान के साथ दो साल से ज्यादा समय से द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में काम कर रहे हैं और अब आधिकारिक तौर पर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं। वेरा की बात करें तो शुरूआत में बॉलीवुड में करियर बनाने की उनकी प्लानिंग नहीं थी लेकिन रजत ने स्वीकार किया, वह इसके बारे में सोच रही हैं उन्होंने कभी सोचा नहीं था लेकिन अब सोच रही हैं।

अंडमान ब्लॉक में विजयपुरम-2 कुएं से प्राकृतिक गैस मिलने का पता चला, ऑयल इंडिया ने की पुष्टि

नई दिल्ली , ऑयल इंडिया लिमिटेड (डक्ळ) ने अंडमान शैलो ऑफशोर ब्लॉक में अपने दूसरे अन्वेषणीय कुएं में प्राकृतिक गैस मिलने की पुष्टि की है। यह भविष्य की अन्वेषण और ड्रिलिंग रणनीति में मदद करेगा। कंपशोर ब्लॉक में वर्तमान अन्वेषण अभियान के दौरान हाइड्रोकार्बन की यह पहली घटना है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली महारत्न कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (डक्ळ) ने अंडमान शैलो ऑफशोर ब्लॉक में अपने दूसरे अन्वेषणीय कुएं में प्राकृतिक गैस मिलने की पुष्टि की है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि विजयपुरम-2 नामक यह कुआं ऑफशोर अंडमान ब्लॉक अठ-डरल्ढ-2018/1 में खोदा गया था। यह ओपन एक्रेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (डअछढ) के तहत आता है। प्रारंभिक परीक्षणों में गैस के नमूने लेने के बाद प्राकृतिक गैस की उपस्थिति की पुष्टि हुई। डक्ळ ने कहा कि गैस की उत्पत्ति को समझने के लिए आगे की जांच, जिसमें गैस आइसोटोप अध्ययन भी शामिल है, की जा रही है। इन अध्ययनों से यह स्पष्ट होगा कि गैस किसी स्रोत, प्रवासन मार्ग या हाइड्रोकार्बन के संचयन से संबंधित है या नहीं।

'ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए'

जानें विदेश मंत्री जयशंकर ने क्यों की अपील

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिक्स देशों से अपील की है कि वे बढ़ते संरक्षणवाद और टैरिफ में उतार-चढ़ाव के बीच बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करें। उन्होंने यह बात संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान न्यूयॉर्क में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में कही। जयशंकर ने कहा, 'जब बहुपक्षवाद पर दबाव होता है, तब ब्रिक्स ने हमेशा समझदारी और रचनात्मक बदलाव की मजबूत आवाज उठाई है। अशांत दुनिया में ब्रिक्स को शांति, संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का संदेश और मजबूत करना होगा।' वठरउ में सुधार के लिए आवाज उठाने की अपील जयशंकर ने ब्रिक्स

देशों से संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अंगों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तकनीक और नवाचार ब्रिक्स सहयोग का अगला चरण तय करेंगे। भारत की 2026 में होने वाली ब्रिक्स अध्यक्षता को लेकर उन्होंने कहा कि उस दौरान भारत खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, स्टार्टअप्स, नवाचार और विकास सहयोग को मजबूत बनाया जाएगा। कई देशों के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात बैठक के दौरान जयशंकर ने कई देशों के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात की। इनमें सिएरा लियोन, रोमानिया, क्यूबा, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, रूस, उरुग्वे, कोलंबिया और एंटीगुआ एंड बारबुडा शामिल थे। उन्होंने यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। ऑस्ट्रिया की विदेश मंत्री बीटे माइनल-राइजिंगर के साथ उन्होंने भारत और यूरोप के सामने मौजूद चुनौतियों और विकल्पों पर बातचीत की।रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ उनकी मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष, द्विपक्षीय संबंध और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा हुई। तमाम बैठकों में शामिल हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) बैठक में हिस्सा लिया और बताया कि तीनों देशों ने यूएन सुरक्षा परिषद में बड़े सुधार की जोरदार मांग की है। इसके अलावा उन्होंने भारत-सीईएलएसी विदेश मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता की। इसमें कृषि, व्यापार, स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक, आपदा राहत और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। जयशंकर ने कहा कि भारत और सीईएलएसी देशों ने एआई, टेक्नोलॉजी, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग तलाशने पर भी सहमति जताई। उन्होंने यह भी कहा कि बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार कर ग्लोबल साउथ की आवाज को और मजबूत बनाना बेहद जरूरी है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों का एक्शन, 17 टीटीपी आतंकवादी ढेर; हथियार भी जब्त

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले में फ्रंटियर कॉर्प्स और पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन में प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी से जुड़े 17 आतंकवादियों को मार गिराया। इस दौरान भारी हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ। साथ ही तीन सुरक्षाकर्मी के घायल होने की भी खबर सामने आ रही है। पाकिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े 17 आतंकवादियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारी शहबाज इलाही के अनुसार,

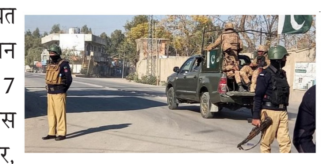

यह कार्रवाई शुक्रवार को फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) और पुलिस की संयुक्त खुफिया जानकारी पर आधारित ऑपरेशन थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार करक जिले में मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया गया था। इलाके में टीटीपी और नजीर ग्रुप से जुड़े आतंकवादी मौजूद थे। ऐसे में जब सुरक्षा बल आतंकवादियों के करीब पहुंचे, तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में 17 आतंकवादी मारे गए और उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ। तीन सुरक्षाकर्मी भी हए घायल बता दें कि इस मुठभेड़ में तीन सुरक्षा कर्मी घायल भी हुए हैं। मारे गए आतंकवादियों पर सुरक्षा बलों पर हमले, फिरौती के लिए अपहरण और अन्य गंभीर आतंकी गतिविधियों के कई मामले दर्ज थे।सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई के बाद करक जिला प्रशासन ने दरशा खेल और आसपास के गांवों में कर्फ्यू लगा दिया है ताकि बचे हुए आतंकवादियों की खोज के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा सके।

दुश्मन के मंसूबे नाकाम करेगा स्वदेशी मिसाइल सिस्टम

सेना ने 30000 करोड़ का टेंडर किया जारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने वायु रक्षा को मजबूती देने और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए 30,000 करोड़ की परियोजना के तहत उफ्ळ्ड द्वारा विकसित स्वदेशी 'अनंत शस्त्र' मिसाइल सिस्टम खरीदने का निर्णय लिया है। यह अत्याधुनिक प्रणाली पाक-चीन सीमा पर तैनात होगी और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में दुश्मन ड्रोन को रोकने में अहम भूमिका निभाएगी। भारतीय सेना ने वायु क्षमता को और ज्यादा मजबूत करने और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देते हुए पांच से छह रेजिमेंट के लिए 'अनंत शस्त्र' सतह से वायु मिसाइल सिस्टम खरीदने का टेंडर जारी किया है। यह मिसाइल सिस्टम रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया है और पहले इसे क्विक रिएक्शन सतह से वायु मिसाइल सिस्टम के नाम से जाना जाता था। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 30,000 करोड़ रुपये अनुमानित है। इस नए सिस्टम से भारतीय सेना की वायु रक्षा क्षमता मजबूत होगी, जिसने मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी ड्रोन हमलों को नाकाम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बता दें कि भारतीय सेना की वायु रक्षा इकाइयां पहले से ही टफ्र्रअट, आकाश और अन्य छोटे एयर डिफेंस सिस्टम चलाती हैं, जो भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर हवाई खतरों से रक्षा करती हैं। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस स्वदेशी सिस्टम को खरीदने की मंजूरी दी थी।

क्या है अनंत शस्त्र मिसाइल सिस्टम?

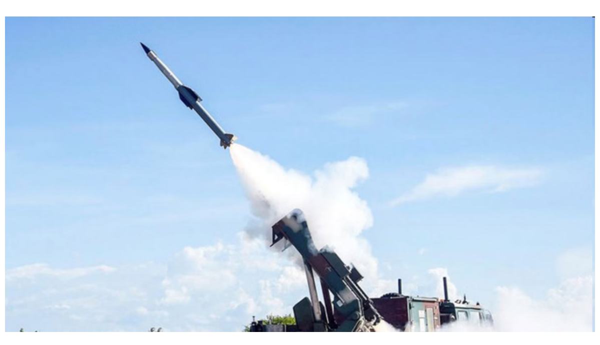

अनंत शस्त्र मिसाइल सिस्टम अत्यंत मोबाइल है, जो चलते-चलते लक्ष्यों को खोजने और ट्रैक करने में सक्षम है और शॉर्ट स्टॉप पर फायर कर सकता है। इसका रेंज लगभग 30 किलोमीटर है, जो टफ्र्रअट और आकाश जैसे मौजूदा सिस्टम्स के साथ मिलकर काम करेगा। किसी भी समय किया जा सकता है परीक्षण यह मिसाइल सिस्टम दिन और रात दोनों परिस्थितियों में परीक्षण किया जा चुका है। पाकिस्तान के साथ चार दिन के संघर्ष के दौरान भारतीय सेना के एयर डिफेंस यूनिट्स ने छ-70 और ४-23 एयर डिफेंस गन से ज्यादातर ड्रोन नष्ट किए थे, जबकि आकाश, टफ्र्रअट और वायु सेना के स्पाइडर व सुदर्शन र-400 सिस्टम ने भी अहम भूमिका निभाई। भारतीय सेना को मिलेगी बड़ी मदद गौरतलब है कि इस नए सिस्टम से सेना को नए राडार, शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम, जैमर और लेजर आधारित सिस्टम भी मिलेंगे, जो पाकिस्तानी सेना के तुर्की और चीनी ड्रोन से निपटने में मदद करेंगे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी स्वदेशीकरण को तेजी से बढ़ावा दे रहे हैं। भविष्य में जोरावर लाइट टैंक और कई अन्य स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम भी सेना में शामिल होने की संभावना है।

जुबीन गर्ग के नाम पर होगा प्रदर्शन कला एवं संस्कृति केंद्र, प्रतिमा भी होगी स्थापित

गुवाहाटी (एजेंसी)। लोकप्रिय गायक और असम के सांस्कृतिक आइकन जुबीन गर्ग के निधन के बाद

गुवाहाटी विश्वविद्यालय ने उनके सम्मान में बड़ा फैसला लिया है। विश्वविद्यालय ने प्रदर्शन कला केंद्र का नाम जुबीन गर्ग के नाम पर रखने और परिसर में उनकी प्रतिमा लगाने की मंजूरी दी है। भारत के लोकप्रिय गायक और असम के सांस्कृतिक आइकन कहे जाने वाले जुबीन गर्ग की बीते 19 सितंबर को सिंगापुर में निधन हो गया। इसके बाद देशभर में शोक की लहर दौड़ उठी है। खासकर असम में। ऐसे में गुवाहाटी विश्वविद्यालय ने जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके नाम पर कई बड़े फैसले लिए हैं। इसके तहत विश्वविद्यालय ने अपने प्रदर्शन कला एवं संस्कृति केंद्र का नाम अब जुबीन गर्ग के नाम पर रखने का फैसला किया है। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में जुबीन गर्म की प्रतिमा स्थापित करने पर भी सहमति जताई है। गुवाहाटी विश्वविद्यालय ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर के दी। विश्वविद्यालय द्वारा किए गए पोस्ट में बताया गया कि जुबीन गर्ग को सम्मान देने के लिए कुल चार प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इनमें एक कॉफी टेबल बुक भी शामिल है, जिसमें जुबीन गर्ग के जीवन और उनकी रचनात्मक यात्रा को दशार्या जाएगा। इसके साथ ही युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से अब यूनिवर्सिटी के इंटर-कॉलेज यूथ फेस्टिवल में होने वाले गायन प्रतियोगिता में 'जुबीन के गाने' नाम की एक नई कैटेगरी भी जोड़ी जाएगी। जानें कैसे हुआ था जुबीन गर्ग का निधन? गौरतलब है कि असम के सांस्कृतिक आइकन कहे जाने वाले जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में डूबने के कारण हुआ था। वह सिंगापुर नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में शामिल होने गए थे। उनके निधन के बाद देशभर में उनके प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ उठी। इसके बाद 23 सितंबर को पूरे राजकीय सम्मान के साथ गुवाहाटी के बाहरी इलाके कमरकुची में जुबीन के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद जब गायक गर्ग के निधन की जांच की मांग जब उठी तो राज्य सरकार ने एक स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम बनाई।

जिस केस को लेकर ट्रंप पर हमलावर थे मस्क, उसमें आया खुद का नाम तो सिर्फ तीन शब्द का दे सके जवाब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से विवाद के बाद एलन मस्क ने एपस्टीन फाइल को लेकर उन पर जमकर निशाना साधा था। लेकिन अब इस फाइल में उनका नाम सामने आया है तो उन्होंने खुद के बचाव में सिर्फ तीन शब्द ही कहा है। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क का नाम अमेरिका के कुख्यात फाइनेंसर और यौन शोषण के दोषी जेफरी एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेजों में सामने आया है। इन दस्तावेजों को एपस्टीन की संपत्ति के प्रबंधकों ने अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी को सौंपा है। इनमें फ्लाइट मैनिफेस्ट (उड़ान की सूची), फोन कॉल लॉग्स, और मीटिंग शेड्यूल शामिल हैं। इनमें दुनिया के कई ताकतवर लोगों के नाम दर्ज हैं, जिनमें ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू, डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन, और पे-पाल के सह-संस्थापक पीटर थील जैसे बड़े नाम शामिल हैं। मस्क के नाम पर 2014 की एंट्री दस्तावेजों में 6 दिसंबर 2014 की एक एंट्री बेहद चौंकाने वाली है। इसमें लिखा गया है, 'याद दिलानाः एलन मस्क का 6 दिसंबर को द्वीप पर आने का कार्यक्रम है (क्या यह अभी भी तय है?)।' यह एंट्री संकेत देती है कि एलन मस्क को एपस्टीन के प्राइवेट आइलैंड लिटिल सेंट जेम्स पर आने का निमंत्रण दिया गया था। इसके अलावा दस्तावेजों में यह भी दर्ज है कि 2017 में पीटर थील के साथ मस्क की लंच मीटिंग तय थी। 2019 में स्टीव बैनन के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग का प्लान था।

पूर्वोत्तर रेलवे ई–आक्शन सूचना,

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के आवंटन हेतु ई–नीलामी (E-Auction) किया जाना है।

आक्शन कैटलाग नम्बर–BSBCATERING52025

खानपान स्टाल/ट्राली के आवंटन का विवरण	GMU/SMU	अवधि	ई–नीलामी की तिथि	ई–नीलामी का समय
किडिहरापुर स्टेशन के PF–01	GMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 12.30 बजे तक
पचरुखि स्टेशन के PF– 01	GMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 12.40 बजे तक
जखनियाँ स्टेशन के PF–02	GMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 12.50 बजे तक
राजातालाब स्टेशन के PF–01	GMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 13.00 बजे तक
दुल्लहपुर स्टेशन के PF–2/3	GMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 13.10 बजे तक
रेवति हाल्ट के PF–01	GMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 13.20 बजे तक
सादात स्टेशन के PF–02	GMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 13.30 बजे तक
सहतवार स्टेशन के PF–01	SMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 13.40 बजे तक
लार रोड स्टेशन के PF–01	SMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 13.50 बजे तक
छपरा कचहरी स्टेशन के PF–2/3	SMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 14.00 बजे तक
मैरवा स्टेशन के PF–01	SMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 14.10 बजे तक
फेफना स्टेशन के PF–01	SMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 14.20 बजे तक
सुरेमनपुर स्टेशन के PF–02	SMU	05 वर्ष	10.10.2025	12.00 से 14.30 बजे तक

आक्शन कैटलाग नम्बर–BSBMPS42025

मल्टी परपज स्टाल के आवंटन का विवरण	MPS	अवधि	ई–नीलामी की तिथि	ई–नीलामी का समय
रसडा स्टेशन के PF-01 (In Middle)	MPS	05 वर्ष	10.10.2025	10.00 से 10.30 बजे तक
पडरौना स्टेशन के PF-01 (In Middle)	MPS	05 वर्ष	10.10.2025	10.00 से 10.40 बजे तक
बनकटा स्टेशन के PF-01 (In Middle)	MPS	05 वर्ष	10.10.2025	10.00 से 10.50 बजे तक
जीरादेई स्टेशन के PF-01 (In Middle)	MPS	05 वर्ष	10.10.2025	10.00 से 11.00 बजे तक
जखनियाँ स्टेशन के PF-01 (In Middle)	MPS	05 वर्ष	10.10.2025	10.00 से 11.10 बजे तक
माधो सिंह स्टेशन के PF-01 (In Middle)	MPS	05 वर्ष	10.10.2025	10.00 से 11.20 बजे तक
यूसुफपुर स्टेशन के PF-01 (In Middle)	MPS	05 वर्ष	10.10.2025	10.00 से 11.30 बजे तक

ई–नीलामी (E-Auction) IREPS पोर्टल पर आनलाइन होगी। ई–नीलामी (E-Auction) में भाग लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर रू. 10,000/– (Non Refundable) आनलाइन जमा कर एक बार पंजीकरण (One Time Registration) कराना आवश्यक है। साथ ही उसके पास SBI (स्टेट बैंक आफ इण्डिया) में करेंट खाता हो जिसे IREPS पोर्टल से लिंक करना आवश्यक होगा। EMD कांट्रेक्ट की वार्षिक कीमत का 10% (अर्नेस्ट मनी दस प्रतिशत) होगी जिसका भुगतान/कटौती आनलाइन उसी खाते से होगी। ई–नीलामी (E-Auction) से सम्बंधित नियम एवं शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल (www.ireps.gov.in) के E Auction Leasing Section में उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य–145 सहायक वाणिज्य प्रबंधक, वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

इस्राइली हमलों में गाजा में कम से कम 38 लोगों की मौत, युद्धविराम की मांगों को नेतन्याहू ने किया नजरअंदाज

गाजा (एजेंसी)। इस्राइल द्वारा गाजा में बीती रात किए गए हवाई हमलों में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि भले ही इस्राइल पर युद्धविराम को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमले जारी रखने पर अड़े हुए हैं। शनिवार तड़के मध्य और उत्तरी गाजा में हुए हमलों में कई लोग अपने घरों में मारे गए। इनमें नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल थे। उनके शव अल-अवदा अस्पताल लाए गए हैं। शनिवार सुबह गाजा सिटी के तुफाह इलाके में एक घर पर किए गए हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। जिनमें आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। शरणार्थी शिविर में हुए एक और हवाई हमले में चार और लोगों की मौत हुई। अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र ढहने की कगार पर गाजा सिटी के अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र ढहने की कगार पर हैं। लगभग दो हफ्ते से जारी हमलों में दो क्लिनिक पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। दो अस्पताल क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गए और बाकी अस्पताल दवाओं, उपकरणों, भोजन और ईंधन की कमी से जूझ रहे हैं। कई डॉक्टरों और नर्सों को अस्पताल छोड़ना पड़ा है। जिससे केवल कुछ ही लोग गंभीर मरीजों और बच्चों की देखभाल कर पा रहे हैं। डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स शुक्रवार को डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स ने गाजा सिटी में अपनी सेवाएं निलंबित कर दीं। संगठन ने बताया कि इस्राइली टैंक उनके स्वास्थ्य केंद्रों से आधा मील दूर तक पहुंच गए हैं और उनके कर्मचारियों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। उत्तरी गाजा में खाद्य संकट

की स्थिति और बिगड़ गया है। इस्राइल ने 12 सितंबर से यहां राहत सामग्री की आपूर्ति रोक दी थी और संयुक्त राष्ट्र की बार-बार की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया था। गाजा प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस्राइली हमलों में अब तक 65,000 से अधिक लोग मारे गए और 1,67,000 से अधिक घायल हुए हैं। मंत्रालय कहता है कि मृतकों में लगभग आधे महिलाएं और बच्चे हैं। नेतन्याहू जब भाषण देने आए तो कई देशों के प्रतिनिधि चले गए ये हमले शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा विश्व नेताओं से यह कहने के कुछ घंटों बाद हुए कि उनके देश को गाजा में हमास के खिलाफ काम पूरा करना होगा। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में जब नेतन्याहू भाषण देने आए तो कई देशों के प्रतिनिधि हॉल से बाहर चले गए थे। नेतन्याहू ने पश्चिम-एशिया की स्थिति पर अपने भाषण की शुरूआत की ही थी कि हॉल में कुछ देशों के प्रतिनिधी बाहर जाने का निर्णय लिया। भाषण के दौरान हॉल में समझ न आने वाले नारे भी गूंजे, नेतन्याहू का समर्थन करते वाला अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहा। वहीं, कुछ हिस्सों में नेतन्याहू के भाषण की शुरूआत पर तालियां भी गूंजीं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदायें आमंत्रित करते है। **क्र० सं०:** 1, **निविदा सूचना संख्या:** ई–निविदा–एल–26–25–26, **कार्य का नाम (हिन्दी):** (i) गाज़ीपुर सिटी में 30 बिस्तर वाले नए रनिंग रूम का निर्माण (ii) आज़मगढ़ में 12 बिस्तर वाले नए रनिंग रूम का प्रावधान (iii) थावे जंक्शन पर 30 बिस्तर वाले रनिंग रूम का प्रावधान (iv) छपरा जंक्शन के मौजूदा रनिंग रूम में अतिरिक्त 30 बिस्तर वाले कमरों का प्रावधान (v) बनारस में क्रू स्टाफ हेतु अतिरिक्त 30 बिस्तर वाले रनिंग रूम का प्रावधान (vi) सिवान रनिंग रूम में 2 बिस्तर की क्षमता वाले नए कमरों का निर्माण से संबंधित विद्युतीये कार्य। **अनुमानित लागत:** 4804189.93, **अमानत राशी:** 96100.00, **कार्य समापन का समय:** 04 महीने, **निविदा समापन की तिथि एवं समय:** 17.10.2025 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 17.10.2025 14:30 बजे, **क्र० सं०:** 2 **निविदा सूचना संख्या:** ई–निविदा–एल–27–25–26, **कार्य का नाम (हिन्दी):** सिवान एवं मऊ स्टेशनों पर प्री–कूलिंग कम बैटरी चार्जिंग पॉइंट्स का प्रावधान। **अनुमानित लागत:** 8553704.37, **अमानत राशी:** 171100.00, **कार्य समापन का समय:** 04 महीने, **निविदा समापन की तिथि एवं समय:** 17.10.2025 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 17.10.2025 14:30 बजे, **क्र० सं०:** 3, **निविदा सूचना संख्या:** ई–निविदा–एल–28–25–26, **कार्य का नाम (हिन्दी):** बनारस, बलिया, मऊ, आज़मगढ़ और सिवान स्टेशनों पर 12.0 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज से संबंधित विद्युतीये कार्य। **अनुमानित लागत:** 34001210.22, **अमानत राशी:** 320000.00, **कार्य समापन का समय:** 04 महीने, **निविदा समापन की तिथि एवं समय:** 17.10.2025 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 17.10.2025 14:30 बजे, • उपरोक्त ई–निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाये।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सामान्य

मुजाधि/विद्युत–147 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

ईरान पर प्रतिबंधों का रास्ता साफ, रूस–चीन की आखिरी कोशिश हुई नाकाम

यूएनएससी ने खारिज किया प्रस्ताव

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रूस और चीन के ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर प्रतिबंध टालने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद ईरान पर शनिवार से प्रतिबंध लागू हो जाएंगे। इससे विदेशों में ईरानी संपत्तियां फ्रीज हो जाएंगी, हथियार सौदे रुक जाएंगे और मिसाइल कार्यक्रम पर भी पाबंदी लग जाएगी। इसके साथ ईरान की पहले से ही मुश्किल में पड़ी अर्थव्यवस्था और कमजोर होगी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान के

परमाणु कार्यक्रम को लेकर प्रतिबंधों को दोबारा लागू करने में देरी करने के रूस और चीन की आखिरी कोशिश को भी शुक्रवार को खारिज कर दिया। यूएनएससी के इस फैसले के बाद ईरान पर शनिवार यानी आज से ही प्रतिबंध लागू हो जाएंगे। रूस-चीन का प्रस्ताव असफल दरअसल, चीन और रूस, जो ईरान के सबसे करीबी सहयोगी माने जाते हैं, वे चाहते थे कि प्रतिबंधों को लागू करने से पहले ईरान को और समय दिया जाए ताकि यूरोपीय देशों और अमेरिका से समझौता हो सके। लेकिन, पश्चिमी देशों ने कहा कि हाल में हुई बैठकों में ईरान से कोई सहमति नहीं बन पाई है। ऐसे में रूस और चीन के प्रस्ताव को नौ वोटों का समर्थन नहीं मिला। केवल चीन, रूस, पाकिस्तान और अल्जीरिया ने ही ईरान के पक्ष में मतदान किया। अब ईरान पर लागू होंगे ये प्रतिबंध अब जबकि यूएन में रूस और चीन का प्रस्ताव खारिज हो गया है ऐसे में ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी द्वारा शुरू किए गए 'स्नैपबैक' तंत्र के तहत ईरान पर कई प्रतिबंध लागू होंगे। ईरान की विदेशी संपत्तियां फ्रीज हो जाएंगी, हथियारों के सौदे रुक जाएंगे और उसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर भी रोक लग जाएगी। इससे पहले से संकट में घिरी ईरान की अर्थव्यवस्था पर और दबाव बढ़ेगा। ईरान ने दी ये प्रतिक्रिया ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी यूएन के इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।